CMYK

Website:- www.Janmarg.com

TITLE CODE:- T/RJ/2024/211

e-mail :morningjanmarg@gmail.com

निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

जनमार्ग

लोकतंत्र व निष्पक्षता का मार्ग प्रातःकालीन समाचार पत्र

मनमीत रे 4

श्रीगंगानगर, गुरुवार, 20.02.2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रुपये ● वर्ष : 1 ● अंक : 295 ● मो. 93526-86083, 77421-86692, 0154-2970692

सीबीएसई बोर्ड एग्जाम साल में 2 बार संभव

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन ने सीबीएसई बोर्ड सचिव और दूसरे शिक्षाविदों के साथ साल में 2 बार बोर्ड एग्जाम कराने को लेकर चर्चा की। अभी बोर्ड एग्जाम हर साल फरवरी-मार्च में होते हैं। बोर्ड दूसरी बार अप्रैल-मई में बोर्ड परीक्षाएं करा सकता है। हालांकि, ये नियम कब से लागू होगा, ये तय होना बाकी है। शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई, एनसीईआरटी, केवीएस, एनवीएस और कई स्कूल पदाधिकारियों के साथ साल में 2 बार परीक्षाएं कराने पर चर्चा की। उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी भी जारी की। पिछले साल अगस्त में शिक्षा मंत्रालय ने नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) रिलीज किया था। एनसीएफ में भी स्टूडेंट्स को साल में दो बार बोर्ड एग्जाम देने का ऑप्शन देने की बात थी। अक्टूबर 2023 में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा था कि साल में दो बार बोर्ड एग्जाम होंगे लेकिन स्टूडेंट्स को दोनों बार एग्जाम देना जरूरी नहीं होगा।

प्रदेश में बुजुर्गों की पेंशन बढ़ी, 1 .25 लाख नौकरी देगी सरकार

» 70 लाख किसानों को 9 हजार रुपए सम्मान निधि » सोलर पैनल लगाने वालों को 150 यूनिट फ्री बिजली

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने भजनलाल सरकार दूसरा पूर्ण बजट पेश किया। करीब 138 मिनट के बजट भाषण में दीया कुमारी की सबसे बड़ी घोषणा युवाओं के लिए रही। सरकार अगले एक साल में सवा लाख भर्ती करेगी। प्राइवेट सेक्टर में भी डेढ़ लाख नौकरियां दिलवाई जाएंगी। फाइनेंस मिनिस्टर ने बिजली के बिल में भी राहत देने की कोशिश की है, लेकिन 150 यूनिट फ्री वाली घोषणा में

सरकार ने कंडीशन लगा दी है। सरकार 5 लाख नए घरेलू बिजली कनेक्शन और 5 हजार नए कृषि कनेक्शन भी देगी। 20 लाख घरों में नल कनेक्शन दिया जाएगा। वहीं, जलदाय विभाग में 1050 नए टेक्निकल पदों पर भी भर्ती की जाएगी। राजस्थान में अब पत्नी के साथ खरीदी गई 50 लाख तक की प्रॉपर्टी सस्ती होगी। सरकार ने बजट में स्टांप ड्यूटी में आधा प्रतिशत छूट की घोषणा की है। 138 मिनट के भाषण में दीया कुमारी ने राजस्थान का 3 लाख 25 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान को 2030 तक 30 लाख करोड़ की इकोनॉमी बनाना है। पत्नी के साथ संयुक्त नाम से खरीदी गई 50 लाख तक की संपत्ति सस्ती होगी। इसमें स्टाम्प ड्यूटी में आधा प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसके अलावा सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाई है। अब इस योजना में 70 लाख किसानों को सालाना 9 हजार रुपए मिलेंगे। बजट की घोषणाएं अप्रैल 2025 से लागू होंगी।

आठ नए आईटीआई और 3 पॉलिटेक्निक कॉलेज खुलेंगे, घड़साना में महाविद्यालय

युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोलने के साथ ही राजस्थान सरकार ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बजट में कई बड़े ऐलान किए है। प्रदेश में 8 आईटीआई केंद्र खोले जाएंगे। वहीं, 39 करोड़ की लागत से प्रदेश के 36 आईटीआई केंद्रों का आधुनिकरण होगा। इसके अलावा तीन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय खोले जाएंगे। वित्त मंत्री दीया कुमारी ने आज भजनलाल सरकार दूसरा पूर्ण बजट पेश किया। करीब 138 मिनट के बजट भाषण में दिया कुमारी ने प्रदेश में उच्च, तकनीकी, कृषि एवं स्कूल शिक्षा के विस्तार के लिए कई बड़े ऐलान किए। वहीं, धौलपुर, सिरोही व बाड़मेर के पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल, हनुमानगढ़ व अजमेर (महिला) कॉलेज में कम्प्यूटर साइंस, झालावाड़ में केमिकल और चूरू के पॉलिटेक्निक कॉलेज में इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल की नई ब्रांच शुरू होगी। भरतपुर के बयाना, भीलवाड़ा के आसींद, दौसा के महुवा, जयपुर के जयसिंहपुरा खोर और बूंदी जिले के नैनवां में महाविद्यालय यूजी से पीजी में क्रमोन्नत होंगे। कुम्हेर, डीग के खोह, जोधपुर के केरू, झालावाड़ के अकलेरा, नागौर के गोटन, सीकर के धोद, उदयपुर के कानोड, जयपुर के सांगानेर, श्रीगंगानगर के घड़साना और जालोर के जसवंतपुरा में नए महाविद्यालय खोले जायेंगे।

दिल्ली की रेखा गुप्ता बनी नई मुख्यमंत्री

● प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम होंगे, शपथ ग्रहण आज

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। आरएसएस ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा था, जिसे भाजपा ने मान लिया है। प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम होंगे। बुधवार शाम दिल्ली में भाजपा विधायक दल की बैठक में इसका ऐलान किया गया। पार्टी के दोनों पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ ने विधायकों से एक-एक करके बात की, फिर सीएम के नाम का ऐलान किया। मुख्यमंत्री की शपथ गुरुवार (20 फरवरी) को रामलीला मैदान में दोपहर 12.35 बजे होगी। दिल्ली के मुख्य सचिव की तरफ से भेजे गए निमंत्रण में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रियों की शपथ का भी जिक्र है। कार्यक्रम में 30 हजार मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है। भाजपा विधायक दल की बैठक में बुधवार को उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। वे दिल्ली विधानसभा चुनाव में शालीमार बाग सीट से विधायक हैं। उन्होंने आप की वंदना कुमारी को 29,595 वोटों से हराया। रेखा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और बीजेपी से जुड़ी हैं। दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। दिल्ली की चौथी मुख्यमंत्री के तौर पर आरएसएस ने रेखा गुप्ता का नाम आगे बढ़ाया था और पार्टी ने उस पर मुहर लगा दी। रेखा ने छात्र राजनीति से करियर की शुरुआत की, दो बार विधायक का चुनाव हार चुकी हैं।

मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में 37 मौतें हुई : योगी

जनमार्ग न्यूज

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा में 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में हुई भगदड़ का जिक्र किया। बताया कि उस दिन 37 लोगों की मौत हुई। कहा, संगम तट पर बैरिकेड टूटने से भगदड़ हुई। चपेट में 66 श्रद्धालु आए थे। इनमें 30 की मौत हुई थी। उस दिन प्रयागराज के अंदर अलग-अलग जगहों पर कुछ प्रेशर पॉइंट बने हुए थे, वहां भी 7 लोगों की मौत हुई थी। इन सभी घटनाओं को भगदड़ से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। 36 मृतकों में 35 के परिजन शवों को अपने साथ घर ले गए। एक की शिनाख्त नहीं हो सकी। उसका अंतिम संस्कार करा दिया गया है। डीएनए सुरक्षित रखा गया है। एक घायल का इलाज अभी भी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। सीएम योगी ने 1954, 1974 और 1986 के कुंभ में हुई भगदड़ का भी जिक्र किया। कहा, 1954 के कुंभ में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और राष्ट्रपति की भागीदारी के बावजूद 800 से अधिक श्रद्धालु भगदड़ में अपनी जान गंवा बैठे थे। इसके विपरीत इस बार सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सरकार ने कई जिलों में होल्डिंग एरिया और पार्किंग सुविधाओं की व्यवस्था की, जिससे यातायात और भीड़ नियंत्रण में महत्वपूर्ण सफलता मिली। प्रयागराज सिटी की अधिकतम क्षमता 25 लाख है, वहां पर 7 करोड़ श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान करवाना किसी चमत्कार से कम नहीं था। सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा- पूरे परिवार को लेकर गए थे, आगे-पीछे चच्चू (शिवपाल) को भी साथ ले जाते। 2013 में उनकी मजबूरी समझ सकता हूं, लेकिन 2025 में कम से कम पुण्य के भागीदार बना देते।

सीईसी की नियुक्ति वाले कानून पर सुनवाई टली

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए बने कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई टल गई। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि समय की कमी के कारण मामले को होली की छुट्टी के बाद सुना जाएगा। फिलहाल कोई तारीख तय नहीं की गई। याचिकाकर्ता एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इस पर तुरंत विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने वाले पैनल के माध्यम से सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए 2023 के फैसले का पालन करना चाहिए या 2023 के सीजेआई को पैनल से बाहर रखने वाले कानून का पालन करना चाहिए।

श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक गौरव यादव होंगे डीजीपी डिस्क से सम्मानित

● आरपीए में होगा पुलिस अलंकरण समारोह

● 64 पुलिस अधिकारी और कार्मिक केंद्रीय गृहमंत्री पदक से होंगे सम्मानित

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में सोमवार 24 फरवरी को पुलिस अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिस में डीजीपी राजस्थान यूआर साहू 64 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृहमंत्री पदक, अति उत्कृष्ट सेवा पदक, उत्कृष्ट सेवा पदक एवं डीजीपी डिस्क दे कर सम्मानित करेंगे। समारोह में श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक गौरव यादव को डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया जाएगा। आरपीए डायरेक्टर एस. सेंगाथिर ने बताया कि इस अवसर पर सेरेमोनियल परेड का आयोजन किया जायेगा। मुख्य अतिथि डीजीपी राजस्थान यूआर साहू सुबह 8 बजे अकादमी के परेड ग्राउण्ड में सेरेमोनियल परेड की सलामी लेंगे। सेरेमोनियल परेड में चतुर्थ बटालियन व पांचवीं बटालियन आरएसी जयपुर, आयुक्तालय जयपुर की महिला पुलिसकर्मी, आयुक्तालय जयपुर के पुरुष पुलिसकर्मी व यातायात कर्मी, हाड़ी रानी महिला बटालियन अजमेर, ईआरटी पांचवीं बटालियन आरएसी जयपुर एवं राजस्थान पुलिस अकादमी से एक-एक कुल 8 प्लाटून सम्मिलित होंगी। अन्वेषण में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृहमंत्री पदक से एसपी श्रीगंगानगर गौरव यादव, डीसीपी वेस्ट जयपुर अमित कुमार, एसओजी जयपुर में डीएसपी गुमाना राम, इंस्पेक्टर अमित सिहाग (मरणोपरांत परिजनों को), पुलिस निरीक्षक, एसओजी जयपुर सज्जन कंवर व पूनम चौधरी, सहायक उप निरीक्षक भीलवाडा मदन लाल मीणा एवं अजमेर जिले के हैड कांस्टेबल पुसा राम सहित अन्य अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

फायरिंग रेंज में गोली लगने से जवान की मौत

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। बीकानेर में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में प्रैक्टिस के दौरान गोली लगने से घायल सेना के जवान की मौत हो गई। वे 28 जनवरी को निशानेबाजी का अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान हादसा हो गया। उनका सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) के आर्मी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। मंगलवार को जवान ने दम तोड़ दिया। पारस मोहन वेंकटेश (26) 16 मध्यम तोपखाना पठानकोट (पंजाब) में सिपाही के पद पर तैनात थे। वह आंध्र प्रदेश में पिट्टावानपलम के रहने वाले थे। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में अभ्यास के दौरान करीब 2 महीने में 5 जवानों की मौत हो चुकी है। महाजन पुलिस के मुताबिक, जवान पारस मोहन वेंकटेश महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के पूर्वी कैंप में अभ्यास के लिए आए थे।

दो पारियों में 27 व 28 फरवरी को होगी राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा

❑ बैठक में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट)-2024 के संबंध में बुधवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में परीक्षा प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस दौरान जिला कलक्टर ने परीक्षा तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिना व्यवधान के परीक्षा सम्पन्न हो सके, इसके लिये आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। परीक्षा से संबंधित अधिकारियों को परीक्षा केन्द्र तैयारियों का निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिन केन्द्रों में परीक्षा होगी, बिना अनुमति आवागमन नहीं होना चाहिए। वीडियोग्राफी, पेयजल, विद्युत और पुलिस जाब्ता सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि समस्त परीक्षा केंद्रों की वीडियोग्राफी करवाई जाये। अब तक हुई तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने परीक्षा नियंत्रण कक्ष में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिये सीएमएचओ को निर्देशित किया। परीक्षा प्रकोष्ठ के सहसमन्वयक भूपेश शर्मा ने बैठक में राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट)-2024 की तैयारियों से अवगत करवाते हुए बताया कि जिले में परीक्षा संचालन के लिये एरिया अधिकारी, जोनल अधिकारी, फ्लाइंग कम ओएमआर, पेपर कोर्डिनेटर, पर्यवेक्षक, फील्ड सुपरवाईजर एवं वीक्षक नियुक्त किये गये हैं। अन्य व्यवस्थाएं भी पूर्ण की गई हैं। जिले में राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट)-2024 का आयोजन 27 व 28 फरवरी 2025 को दो पारियों में होगा। प्रथम पारी प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तथा द्वितीय पारी दोपहर 3 बजे से सायं 5.30 बजे तक रहेगी। राजकीय एवं निजी सहित कुल 35 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। कुल 37430 परीक्षार्थी भाग लेंगे। बैठक में एडीएम सतर्कता श्रीमती रीना, एएसपी रघुवीर शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी गिरजेशकांत शर्मा, सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर सहित चार जिलों में बारिश, तापमान में आई गिरावट

● बीकानेर में चलती कारों पर गिरे बिजली के पोल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। प्रदेश में श्रीगंगानगर, जयपुर, सीकर, बीकानेर और झुंझुनूं में बुधवार को अचानक मौसम बदल गया। झुंझुनूं के उदयपुरवाटी में शाम तेज हवा के साथ बारिश हुई। चने के आकार के ओले भी गिरे। जयपुर के कई इलाकों में शाम को तेज हवा और गरज-चमक के साथ बारिश हुई। बीकानेर जिले के गजनेर, नाल, कोलायत समेत कई इलाकों में तेज बारिश हुई। इस दौरान तूफान से पवनपुरी क्षेत्र में सड़क पर चल रही कारों पर बिजली के पोल गिर गए। पोल गिरने से दो कार क्षतिग्रस्त हो गईं। गनीमत रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं आई। सीकर में दोपहर बाद बरसात हुई। राजस्थान के 10 जिलों में आज (बुधवार) आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी आशंका जताई है। 20 फरवरी को भी आंशिक तौर पर मौसम कुछ ऐसा ही बना रहेगा, जबकि 21 फरवरी से प्रदेश में मौसम ड्राय होगा और वापस तापमान में बढ़ोतरी होगी।

सम्पादकीय

एकाधिकार को चुनौती

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नया ढांचा बनाने के लिए देश के बजट में प्रावधान किए गए हैं, उससे लगता है कि भारत में भी इसकी रफ्तार बढ़ेगी। वित्तमंत्री ने देश में एआइ की शिक्षा पर खास ध्यान देने की योजना के तहत 'एआइ सेंटर आफ एक्सीलेंस' का प्रस्ताव दिया है। पढ़ें अभिषेक कुमार सिंह के विचार। प्रौद्योगिकी का एक अलिखित नियम यह है कि वह जिस जगह सबसे कम लागत और सर्वश्रेष्ठ दक्षता के साथ तैयार होती है, पूरी दुनिया अपनाने के लिए उसी तरफ दौड़ पड़ती है। जैसे, एक दौर था जब दुनिया में आइटी प्रतिभाओं की बात होती थी, तो हर कोई भारतीय मेधा का सम्मान करता था। यह रुतबा आज तक कायम है। इसी का असर है कि अमेरिकी सत्ता पर दोबारा काबिज डोनाल्ड ट्रंप ने रोजगार में आप्रवासियों के योगदान में कटौती करने के इरादे से एच1-बी वीजा में तब्दीली के संकेत दिए, तो अमेरिकी कंपनियां ही विरोध करने लगीं। इसलिए कि आइटी तकनीक और इंजीनियरिंग के मामले में आज भी अमेरिका-यूरोप में भारतीयों की तूती बोलती है। एच1-बी वीजा पर पाबंदियां लगती हैं, तो अमेरिकी कंपनियां मेहनती भारतीय युवाओं से वंचित हो सकती हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति इन दिनों कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के क्षेत्र में दिखाई दे रही है। नवंबर 2022 में जबसे अमेरिकी कंपनी 'ओपनएआइ' ने 'चैटजीपीटी' के नाम से नया 'टूल' विकसित किया, तो माना जाने लगा कि दुनिया के किसी और देश को इसका मुकाबला करने या इसकी बराबरी करने में ही कई दशक लग सकते हैं, लेकिन यह मिथक करीब सवा दो साल में ही टूट गया। एक चीनी कंपनी ने डीपसीक आर-1 बना कर न सिर्फ चैटजीपीटी के सामने नई चुनौती पेश कर दी, बल्कि लागत और इस्तेमाल की बेहद कीमत के आधार पर यह साबित कर दिया कि कोई जरूरी नहीं कि विज्ञान-तकनीक के सारे आविष्कार अब अमेरिकी या यूरोपीय जमीन पर हों। इसमें चीन और भारत जैसे देश भी नया करिश्मा कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नया ढांचा बनाने के लिए देश के बजट में प्रावधान किए गए हैं, उससे लगता है कि भारत में भी इसकी रफ्तार बढ़ेगी।

गाजा पर ट्रंप के बयान से हलचल

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्हाइट हाउस में एक प्रेस-कांफ्रेंस में गाजा के भविष्य को लेकर एक योजना प्रस्तुत की। ट्रंप ने कहा कि फिलीस्तीनी जनता को दूसरे देशों में स्थानांतरित कर गाजा को लग्जरी रिजॉर्ट में तब्दील किया जाएगा, जहां दुनिया का कोई भी व्यक्ति आ सकेगा। ट्रंप ने कहा कि वो युद्ध में तबाह हुए गाजा का पुनर्निर्माण करेंगे। पुनर्निर्माण का कार्य पूरा होने तक गाजा के लोगों को दूसरे अरब देश में बसाया जाएगा। अरब देश इसलिए भी हतप्रभ हैं, क्योंकि उन्होंने परियोजना को वास्तविकता का जामा पहनाने के लिए सेना भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया।

पिछले दिनों जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पर नियंत्रण कर उसे लग्जरी पर्यटन केंद्र (मध्यपूर्व का रिवेरा) के रूप में तब्दील करने का ऐलान किया तो पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया में कूटनीतिक हलचल पैदा कर दी। मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर फिलिस्तीन अथॉरिटी और अरब लीग ने संयुक्त रूप से ट्रंप की इस योजना की आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका गाजा पर कब्जा करता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता को खतरा हो सकता है और संघर्ष और बढ़ सकता है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी ट्रंप के बयान की आलोचना की। उनका कहना है कि गाजा पर समाधान की खोज में किसी भी प्रकार के जातीय सफाए से बचना आवश्यक है। अब मिस्र भी कूद गया है।

गुटेरेस के बयान से साफ है कि ट्रंप की इस योजना से क्षेत्रीय शांति पर असर पड़ सकता है। दरअसल, कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्हाइट हाउस में एक प्रेस-कांफ्रेंस में गाजा के भविष्य को लेकर एक योजना प्रस्तुत की। ट्रंप ने अपनी योजना को दुनिया के सामने रखते हुए कहा कि फिलीस्तीनी जनता को दूसरे देशों में स्थानांतरित कर गाजा को लग्जरी रिजॉर्ट में तब्दील किया जाएगा, जहां दुनिया का कोई भी व्यकित आ सकेगा। ट्रंप ने योजना का खुलासा करते हुए यह भी कहा कि वो युद्ध में तबाह हुए गाजा का पुनर्निर्माण करेंगे। पुनर्निर्माण का कार्य पूरा होने तक गाजा के लोगों को दूसरे अरब देश में बसाया जाएगा। ट्रंप की परियोजना से अरब देश इसलिए भी हतप्रभ हैं, क्योंकि उन्होंने परियोजना को वास्तविकता का जामा पहनाने के लिए सेना भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। ट्रंप मूल रूप से एक अरबपति बिल्डर हैं। वो कारोबार की दुनिया से राजनीति में आए हैं। इसलिए जब गाजा के पुनर्निर्माण की बात आई तो उन्होंने यह कह दिया कि अगर गाजा को फिर से बसाना है तो उसके नागरिकों को मलबे में शरण नहीं देनी चाहिए। लेकिन 15 महीनों के युद्ध में जिस तरह से गाजा तबाह हुआ है उसे देखते हुए गाजा के पुनर्निर्माण में दशकों का समय लगेगा। यूएन के आंकड़ों के अनुसार इस समय गाजा में जितना कचरा जमा है उसे हटाने में कम से कम 21 साल का समय लग सकता है। उसका कहना है कि गाजा में 2008 से अब तक हुए संघर्ष में जितना मलबा पैदा हुआ है, उससे 17 गुना अधिक कचरा पिछले 15 महीने के युद्ध में हो गया है।

ऐसे में पहले तो बिना फटे हथियारों और मलबे के पहाड़ों को हटाना होगा। पानी-बिजली की सप्लाई बहाल करनी होगी। इसके बाद स्कूलों, अस्पतालों व दूसरे इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने होंगे। इस काम में कई साल लग सकते हैं। इसलिए ट्रंप चाहते हैं कि जब तक गाजा के पुनर्निर्माण का काम पूरा हो, तब तक फिलिस्तीनियों को कहीं दूसरी जगह जाना चाहिए। सवाल यह है कि जिस जमीन को लेकर बीते सवा साल में 50 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों ने अपनी जान गंवा दी, उसे छोड़ने के लिए वे कैसे राजी हो सकते हैं।

पूरे मामले का सूक्ष्म अवलोकन करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की पूरी परियोजना ही न केवल सवालों और संदेह के घेरे में हैं, बल्कि पूरी तरह से हवा-

हवाई, अनैतिक और कानूनी पेचिदगियों से भी भरी हुई है। पहला और सबसे अहम सवाल तो यह है कि इजरायल-हमास शांति समझौते के बीच उद्घोषित इस योजना को लागू करने का अर्थ क्या मीडिल ईस्ट को लेकर अमेरिकी नीति में आए बदलाव का संकेत है। अब तक अमेरिका 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' को मान्यता देता था। वह इजरायल के साथ-साथ एक स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीन राष्ट्र का समर्थक रहा है। गाजा में फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने से क्या फिलिस्तीनी राज्य का दर्जा खत्म नहीं हो जाएगा। क्या ट्रंप की परियोजना अमेरिका पोषित 'द्वी राष्ट्रवाद' के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं है। दूसरा जिस तरह से फिलिस्तीनियों के विस्थापन की बात कही जा रही है, क्या उससे हमास-इजरायल शांति समझौता लागू होने से पहले ही खत्म नहीं हो जाएगा। नेतन्याहू के साथ बैठक से पहले ट्रंप कह चुके हैं कि उनके पास कोई गारंटी नहीं है कि गाजा में मौजूदा युद्धविराम समझौता कायम रहेगा। ऐसे में गाजा में बंधकों की रिहाई की उम्मीद क्या फिर खत्म हो जाएगी। तीसरा, योजना को उद्घाटित करने से पहले क्या ट्रंप ने गाजा की राजनीतिक, ऐतिहासिक और सुरक्षा संबंधी जटिलताओं पर भी कोई होमवर्क किया है। परियोजना पर अमेरिकी समर्थक अरब राष्ट्र भी विश्वास के लिए तैयार नहीं है। उनके संदेह के भी जायज कारण है। जिस तरह से ट्रंप ग्रीनलैंड को खरीदने, कनाडा को अमेरिका में मिलाने, मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलने और पनामा नहर पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं उससे भी ट्रंप की 'सदइच्छा' पर संदेह होता है। संदेह की दूसरी बड़ी वजह बेंजामिन नेतन्याहू का 'ग्रेटर इजरायल' का सपना भी है। कहीं ऐसा तो नहीं कि गाजा के पुनर्निर्माण का काम पूरा होने के बाद ट्रंप सजा-संवरा गाजा इजरायल को सौंप दे। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अमेरिका किस कानूनी आधार पर गाजा में इस तरह का कदम उठा सकता है। अंतरराष्ट्रीय कानून में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जिसके आधार पर बड़ी आबादी को जबरन विस्थापित किया सकता हो। गाजा फिलिस्तीनियों का घर है। 1948 के युद्ध के दौरान भी वे विस्थापन की पीड़ा भुगत चुके हैं, इसलिए जाहिर है कि ट्रंप की योजना कानूनी और नैतिक दोनों ही दृष्टि से उचित नहीं हैं। अरब नेताओं ने दशकों तक फिलिस्तीनी राष्ट्रीय मुद्दे को अपनी राजनीति के केंद्रीय तत्व के रूप में रखा है। ट्रंप की योजना अरब राजनीति की इस केन्द्रीय तत्व को भी कमजोर करती है। फिलिस्तीनियों को जबरन दूसरी जगह भेजने की योजना न केवल टू-स्टेट सॉल्यूशन को खत्म करेगी बल्कि इसे अरब देशों द्वारा जातीय सफाए के रूप में भी देखा जाएगा।

जैसा कि यूएन महासचिव कर रहे हैं। योजना के पटाक्षेप के बाद जिस मुखरता से अरब देशों ने इसका विरोध किया है, उससे जाहिर है वे ट्रंप के प्रस्ताव को स्वीकार करने के मूड में कतई नहीं है। ट्रंप की योजना पश्चिम एशिया में अमेरिका की सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने और मिडिल ईस्ट के देशों पर कड़ी नजर रखने (खासकर ईरान) का प्रयास भी हो सकती है। इसके अलावा लाल सागर पर भी अमेरिका अपना प्रभाव कायम करने की मंशा रखता है जिससे उसे अंतरराष्ट्रीय जल मार्ग पर बढ़त हासिल हो सके। हूती जैसे संगठनों पर लगाम लगाने के लिए भी यह योजना कारगर साबित हो सकती है। गाजा पर कब्जा कर वह हूती के गढ़ यमन पर भी अपनी पकड़ मजबूत कर सकते हैं। संदेह के तमाम कारणों के बीच अरब राष्ट्रों को जो सवाल सबसे ज्यादा परेशान कर रहा है वह यह कि क्या यह ट्रंप का महज एक विवादित बयान है या इसके पीछे कोई गंभीर रणनीति छिपी हुई है। कहीं ऐसा तो नहीं कि ट्रंप अपनी इस योजना के जरिए पश्चिमी हितों को पूरा करने के लिए अरब शासन के विघटन का कोई नुस्खा दे रहे हैं।

योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है

योग प्रकृति की स्वतः स्फूर्त प्रक्रिया है। योग के ही चलते मां के गर्भ में आना और जीवन धारण करना संभव होता है। उसके बाद जन्म लेते ही सांसारिक-योग आरंभ होता है। घर-परिवार और समाज के साथ योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है तथा जीवन के समापन पर फिर प्रकृति के साथ तादात्म्य बनाकर विलीन होना भी योग है। ऋषियों ने प्रकृति की गूंज सुनकर उसमें त्रिस्तरीय योग का जो स्वरूप देखा उसमें 'ऊं' शब्द दिखाई पड़ा। इस 'ऊं' में 'अ', 'उ' और 'म' का योग है। गर्भ में अस्तित्व में आना 'अ', जन्म के बाद उत्थान 'उ' तथा मृत्यु 'म' का संयुक्त होना भी योग है। ऋषियों ने अंतिम अक्षर 'म' को हलंत कर आधा इसलिए कर दिया, क्योंकि मनुष्य की मृत्यु पूरी नहीं होती। पंच भौतिक शरीर प्राकृत्तिक पदार्थों के साथ योग कर पुनः अनंत में विलीन हो जाता है, जबकि आत्मा जीवंत रहता है और पुनः नए शरीर के साथ योगभाव में आता है। प्राकृतिक योग को भी देखा जाए तो क्षिति तत्व धरती के साथ योगनिष्ठ होकर धरती में मिल जाता है, अग्नि आकाश की ओर अपने देही सूर्य के साथ योग करने को ऊपर की ओर उठती है तो जल, जल के साथ, वायु, वायु के साथ तथा गगन तत्व शून्य के साथ योग-भाव में हो जाता है। इस तरह देखा जाए तो कदम-कदम पर योग का प्रकट भाव दिखाई पड़ता है। मानव शरीर के अंदर और बाहर जो योग हो रहा है, उसे नियमित जीवन में अपनाकर कोई भी व्यक्ति उर्ध्वमुखी जीवन प्राप्त कर सकता है।

काम शुरू करने से ज्यादा है काम करते रहना

एक प्राचीन कथा के मुताबिक, ब्रह्मा और विष्णु ने शिवलिंग के मस्तक और पैरों की खोज शुरू की। ब्रह्मा को शिव का मस्तक ढूंढने का और विष्णु को शिव के पैर ढूंढने का कार्य सौंपा गया। सभी देवता इसके आरंभ और अंत के विषय में जानने के लिए उत्सुक थे। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा आरंभ की और वे आगे बढ़ते गए। कई लोक पीछे छूट गए और कई युग बीत गए। फिर भी ब्रह्मा शिव के मस्तक का पता नहीं लगा पाए। सृष्टि का एक अंत है। सृजन एक बिंदु पर समाप्त होता है। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा उसके बाद भी जारी रखी। उन्होंने एक केतकी का पुष्प देखा जो आकाश से नीचे आ रहा था। ब्रह्मा ने केतकी पुष्प से पूछा, 'तुम कहां से आ रहे हो? क्या तुमने शिव का मस्तक देखा है? यहां से शिव का मस्तक कितनी दूर है?' केतकी पुष्प ने कहा, 'मैं शिव के मस्तक से आ रहा हूं।' तो ब्रह्मा ने निष्कर्ष निकाला कि शिव का एक मस्तक था और वे पुष्प लेकर नीचे आए। विष्णु का कार्य शिव के पैरों की खोज करना था। ऐसा कहा जाता है कि विष्णु बहुत विनम्र हैं। पालनकर्ता को हमेशा बहुत विनम्र होना चाहिए। रचयिता जैसा भी हो, यदि पालनकर्ता विनम्र हो, तभी पालन कार्य संभव है। व्यवसाय आरंभ करना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन आपको व्यवसाय चलाने के लिए बहुत सतर्क, बहुत विनम्र रहना पड़ेगा, अन्यथा व्यापार डूब जाएगा। विष्णु की विनम्रता ने ही उन्हें शिव के चरणों को ढूंढने का कार्य करने योग्य बनाया। युगों तक यात्रा करने के बाद, विष्णु शिव के चरणों को ढूंढने में सक्षम नहीं हुए।

विश्वनाथ के साथ भारती का घर भी बन गया तीर्थ

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 फरवरी, 2025 को काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण का औपचारिक उद्घाटन किया। पतित पावनी गंगा के तट पर नमो घाट पर दो संस्कृतियों के मिलन को सहज ही समझा जा सकता है। तमिलनाडु से संगमम में शामिल होने के लिए जो भी जत्था आता है, वो पहले गंगा में स्नान करता है। मंदिरों में पूजन-परिक्रमा आदि करता है। बाबा विश्वनाथ का आशीष लेता है। साथ ही हनुमान घाट स्थित स्वतंत्रता सेनानी और प्रख्यात कवि सुब्रह्मण्यम भारती के घर जरूर जाता है। दरअसल, सनातन धर्म में मोक्ष की कामना लिए हर व्यक्ति अपने जीवनकाल में एक बार काशी आना चाहता है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी। यहां आदिदेव महादेव विराजते हैं। पुराणों और वैदिक ग्रंथों में इस नगरी की काफी महत्ता बताई गई है। विदेशी भी यहां घूमने आते रहे हैं। उत्तरवाहिनी गंगा के किनारे बसा यह नगर हमेशा से लोगों को आकर्षित करता रहा है। हाल के दिनों में यहां एक नया तीर्थ बन गया है। वह तीर्थ है - स्वतंत्रता सेनानी और प्रख्यात कवि सुब्रह्मण्यम भारती का घर। यूं तो तमिलनाडु से आने वाले अधिकतर लोग हनुमान घाट और केदार घाट पर गंगा में स्नान करते हैं। यहां से वह कई मठों में पूजा अर्चना करते हैं। उसके बाद बाबा विश्वनाथ का दर्शन करते रहे हैं। लेकिन, काशी तमिल संगमम के आयोजन से हनुमान घाट पर शंकर मठ के सामने स्थित सुब्रह्मण्यम भारती का घर स्वयमेव तीर्थ बन गया है। हर खास और आम उनकी देहरी को नमन करना चाहता है, जहां सुब्रह्मणयम भारती ने अपना लगभग पूरा जीवन बिता दिया। असल में, केदार घाट और हनुमान घाट को काशी में मिनी तमिलनाडु कहते हैं। यहां सैकड़ों तमिल परिवार सदियों से निवास करते हैं। यहां इनकी पूरी संस्कृति दिखती है। पं. वेंकट रमण घनपाठी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु का गहरा रिश्ता है। ये समागम महज एक पखवाड़े का नहीं सदियों पुराना है। तमिल भाषा के महाकवि सुब्रमण्यम भारती ऐसे साहित्यकार थे, जो सक्रिय रूप से 'स्वतंत्रता आंदोलन' में शामिल रहे, जबकि उनकी रचनाओं से प्रेरित होकर दक्षिण भारत में आम लोग आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। ये ऐसे महान कवियों में से एक थे, जिनकी पकड़ हिंदी, बंगाली, संस्कृत, अंग्रेजी आदि कई भाषाओं पर थी, पर तमिल उनके लिए सबसे प्रिय और मीठी भाषा थी। उनका 'गद्य' और 'पद्य' दोनों विधाओं पर समान अधिकार था। इन्हें महाकवि भरतियार के नाम से भी जाना जाता है। इनकी देश प्रेम की कविताएं इतनी श्रेष्ठ हैं कि इन्हें भारती उपनाम से ही पुकारा जाने लगा। सुब्रह्मणयम भारती का मानना था कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा रहे। स्वतंत्र रूप से सोचना-विचारना केवल मातृभाषा के माध्यम से ही संभव हो सकता है और उसी राष्ट्र की शिक्षा प्रणाली सफल हो सकती है, जो मातृभाषा के माध्यम से दी जाएगी। विलायती भाषा द्वारा पढ़ाई से राष्ट्रभाषा मन्द पड़ने लगेगी और कालान्तर में मिट ही जाएगी। आज की शिक्षा मस्तिष्क के विकास की है, जबकि मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिए आत्मा का विकास महत्वपूर्ण है। हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है, जिसके द्वारा हम अपने अतीत के साथ न्याय करते हुए भविष्य की मांग के अनुरूप बन सकें। सुप्रसिद्ध कवि सुब्रह्मण्य भारती की प्रारंभिक कविताओं में तमिल राष्ट्रवाद का उल्लेख मिलता है, किन्तु स्वामी विवेकानंद के प्रभाव में आने के बाद उनकी जीवन के उत्तरार्ध में लिखी कवितायें भारतीय हिन्दू राष्ट्रवाद का गुणगान करती हैं। उन्होंने अपनी आत्मकथा में स्वीकार किया कि यह परिवर्तन उनकी गुरु भगिनी निवेदिता और स्वामीजी के कारण उत्पन्न हुआ। भारती का प्रिय गान बंकिम चन्द्र का 'वन्दे मातरम्' था। 1905 में काशी में हुए 'कांग्रेस अधिवेशन' में सुप्रसिद्ध गायिका सरला देवी ने यह गीत गाया। भारती भी उस अधिवेशन में थे। मद्रास लौटकर भारती ने उस गीत का उसी लय में तमिल में पद्यानुवाद किया, जो आगे चलकर तमिलनाडु के घर-घर में गूंज उठा।

'अन्न चत्रम आधिरम वैत्तल आलयम पतिनारियम नाट्टल
अन्न याविलुम पुण्यम कोड़ो आंकोर एवैकु एलुत्तरिवित्तल'

यह उद्गार हैं, सुब्रह्मण्य भारती के, जो हर तमिल पाठक के हृदय में वास करते हैं। शिक्षा दान को सर्वोपरि मानने वाले भारती केवल एक लेखक या कवि ही नहीं, एक स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक भी थे। उनके विचारों और लेखन में अपने समय से बहुत आगे की सोच थी। वे कथनी और करनी के बीच अंतर नहीं रखते थे।

डायबिटीज में बढ़ता हार्ट डिजीज का जोखिम

यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी के मुताबिक, डायबिटीज होने पर हार्ट अटैक, स्ट्रोक और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से मौत का जोखिम 28 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। डायबिटीज के कारण ब्लड शुगर लेवल हाई रहता है, जो ब्लड वेसल्स और हार्ट फंक्शनिंग को कंट्रोल करने वाली नर्व्स को कमजोर कर सकता है। अगर लंबे समय से ब्लड शुगर लेवल हाई है तो एक ऐसी कंडीशन बन सकती है, जिसे विज्ञान की भाषा में एथेरोस्क्लेरोसिस कहते हैं। इसमें आर्टरीज में प्लाक जमने से वो कड़ी हो जाती हैं और ब्लड फ्लो में रुकावट आने लगती है। इसके कारण ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। यह कंडीशन जितने लंबे समय तक रहती है, ब्लड वेसल्स को उतना ही ज्यादा नुकसान होता है। इसके कारण हार्ट हेल्थ बिगड़ती जाती है और हार्ट अटैक या स्ट्रोक हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, हार्ट से जुड़ी समस्याएं दुनिया भर में मौत का सबसे बड़ा कारण हैं। साल 2019 में हार्ट प्रॉब्लम के कारण जो 1.79 करोड़ मौतें हुईं, उसमें से 85 प्रतिशत का कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक था। इसके पीछे डायबिटीज और ब्लड प्रेशर बड़ा कारण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, पूरी दुनिया में साल 2022 में 83 करोड़ लोगों को डायबिटीज था। चौंकाने वाली बात ये है कि पूरी दुनिया के एक चौथाई से भी ज्यादा डायबिटिक लोग अकेले भारत में थे। साल 2022 में भारत में 21.1 करोड़ लोग डायबिटिक थे। इसका मतलब है कि भारत में डायबिटिक लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। डायबिटीज ऐसी लाइफस्टाइल डिजीज है, जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाती है। इसके कारण ब्लड में शुगर लेवल बढ़ता है। शरीर में ब्लड की सबसे ज्यादा जरूरत हार्ट, ब्रेन और किडनी को होती है। इसलिए डायबिटीज होने पर सबसे ज्यादा नुकसान भी इन अंगों को होता है। अगर

लंबे समय से ब्लड शुगर लेवल ज्यादा है तो इससे ब्लड वेसल्स कमजोर होने लगती हैं। इसे ऐसे समझिए कि वेसल्स में एक तरह का कचरा जमा होने लगता है, जिसे मेडिसिन की भाषा में प्लाक कहते हैं। इससे ब्लड वेसल्स टाइट हो जाती हैं और ब्लड का फ्लो प्रभावित होता है। इसलिए ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और कोलेस्ट्रॉल लेवल भी बढ़ जाता है। ब्लड शुगर लेवल ज्यादा रहने से हार्ट और ब्लड वेसल्स की फंक्शनिंग के लिए जिम्मेदार नर्व्स डैमेज हो सकती हैं। इससे हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर की लय बिगड़ सकती है। डायबिटिक लोगों को हार्ट संबंधी कई समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। इसमें सबसे आम है, कोरोनरी आर्टरी डिजीज। इसमें हार्ट को ब्लड सप्लाई करने वाली आर्टरीज सिकुड़ने लगती हैं। अगर ये आर्टरीज ज्यादा सिकुड़ गई हैं कि ब्लड फ्लो ब्लॉक हो सकता है, जो हार्ट अटैक की वजह बन सकता है। कोरोनरी आर्टरी डिजीज यह सबसे आम कार्डियोवस्कुलर डिजीज है। हार्ट तक ब्लड पहुंचाने वाली आर्टरीज संकुचित होने के कारण ऐसा होता है। हार्ट फेल्योर इस कंडीशन में हार्ट की मसल्स कमजोर हो जाती हैं। इसलिए हार्ट शरीर की जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में ब्लड पंप नहीं कर पाता है। इसमें हार्ट की फंक्शनिंग धीरे-धीरे खराब होती है। कार्डियोमायोपैथी इस हार्ट डिजीज में हार्ट की मसल्स कमजोर या कठोर हो जाती हैं, जिससे हार्ट सही ढंग से ब्लड पंप नहीं कर पाता है। इससे हार्ट की फंक्शनिंग कमजोर हो सकती है। हार्ट अटैक अगर कोरोनरी आर्टरीज पूरी तरह ब्लॉक हो जाती हैं तो हार्ट अटैक हो सकता है। यह कंडीशन ज्यादातर मामलों में घातक साबित हो सकती है। स्ट्रोक यह एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें ब्रेन का ब्लड फ्लो रुक जाता है। आमतौर पर ब्लड क्लॉटिंग के कारण ऐसा होता है। डॉ. समिथ ए. शेट्टी कहते हैं कि अगर कोई डायबिटिक है तो यह भी तय है कि उसे दूसरों की अपेक्षा कार्डियोवस्कुलर डिजीज का जोखिम ज्यादा होगा। हालांकि, कुछ टिप्स अपनाकर हम अपने दिल का ख्याल रख सकते हैं। ब्लड शुगर कंट्रोल करें: हार्ट संबंधी कॉम्प्लिकेशन से बचने के लिए ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करना बहुत जरूरी है। इसके लिए हेल्दी डाइट लें। रेगुलर एक्सरसाइज करें और डॉक्टर की बताई सभी दवाएं नियमित समय पर लें। ब्लड प्रेशर नियंत्रण में रखें: सबसे पहले तो रेगुलर ब्लड प्रेशर की जांच करें। इसे कंट्रोल में रखने के लिए दवाओं के साथ लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव करें। हेल्दी डाइट लें, रेगुलर एक्सरसाइज करें और रोज 7-8 घंटे की नींद लें। डॉक्टर से सलाह लेकर कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल करने के लिए प्लानिंग करें। इसके लिए हेल्दी डाइट लें, एक्सरसाइज करें और दवाएं जरूर लें। रिफाइंड ऑयल और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बिल्कुल न खाएं। स्मोकिंग छोड़ें: स्मोकिंग हार्ट डिजीज का जोखिम कई गुना बढ़ा सकता है। इसलिए अगर स्मोकिंग करते हैं तो इसे छोड़ना ही सबसे अच्छा फैसला होगा। रेगुलर चेकअप करवाएं: हार्ट डिजीज का जोखिम कम करने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि रेगुलर चेकअप करवाएं। अपने ब्लड शुगर लेवल, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच करवाते रहें ताकि किसी बड़ी समस्या का समय पर पता चल सके और सही ट्रीटमेंट मिल सके। टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज, दोनों को हार्ट डिजीज का खतरा दूसरों की अपेक्षा ज्यादा होता है। हालांकि, टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों को इसका खतरा सबसे ज्यादा होता है। कई बार डायबिटिक लोगों को बिना किसी स्पष्ट लक्षण के भी हार्ट डिजीज हो सकती है। इसलिए रेगुलर हेल्थ चेकअप करवाना जरूरी है। हेल्दी डाइट, एक्सरसाइज, स्ट्रेस मैनेजमेंट, वेट कंट्रोल और नियमित 8 घंटे की नींद से इन खतरों को कम किया जा सकता है। अगर सिगरेट या शराब का सेवन करते हैं तो इन्हें छोड़ने से जोखिम और कम हो सकता है।

हरियाणा में 6 साल बाद बिजली महंगी हो सकती है

वितरण कंपनियां साढ़े 4 हजार करोड़ का घाटा बता रहीं, शुल्क बढ़ाने की मांग

चंडीगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। हरियाणा में बिजली की दरों पर आज फैसला होगा। निकाय चुनावों के बीच हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने स्टेट एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग बुलाई है। इसमें बिजली की दरों और राजस्व घाटे पर चर्चा कर कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है। हरियाणा सरकार ने 2019 से बिजली दरों में बड़ोतरी नहीं की है। इसी बीच हरियाणा में बिजली वितरण कंपनियां घाटे की दुहाई देते हुए बिजली शुल्क बढ़ाना चाहती हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (ने 2025-26 के लिए कुल राजस्व आवश्यकता के लिए 4520 करोड़ रुपए मांगे हैं। मीटिंग में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इनमें प्रदेश में वर्ष 2019 से बिजली शुल्क में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इससे बिजली वितरण कंपनियों का घाटा बढ़ा है। इस पर ॥श्वऋष्ट ने बिजली कंपनियों को 4520 करोड़ रुपए के राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए कोई ठोस प्लानिंग देने को कहा है। एचईआरसी चेयरमैन नंद लाल शर्मा की अगुआई में होने वाली बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बिजली टैरिफ को अंतिम रूप दिया जाएगा। साथ ही बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिरता, उपभोक्ता हितों की सुरक्षा और हरियाणा के बिजली क्षेत्र में सुधारों पर चर्चा की जाएगी।

माइनिंग सेक्टर में 30 हजार करोड़ से अधिक के करार धरातल पर उतरना आरंभ

❑ राइजिंग राजस्थान समिट निवेश करारों की नियमित प्रगति समीक्षा: टी. रविकान्त ❑ फील्ड अधिकारियों का होगा प्रोएक्टिव रोल

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राइजिंग राजस्थान के दौरान माइनिंग सेक्टर से जुड़े 30 हजार करोड रु. से अधिक के एमओयू धरातल पर उतरना आरंभ हो गए हैं। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राइजिंग राजस्थान के दौरान माइनिंग सेक्टर के किए गए एमओयू में 100 करोड़ रुपए से अधिक के 45 एमओयू है। इनमें एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के 20 एमओयू है वही 100 करोड़ रु. से एक हजार करोड़ रु. तक के 25 एमओयू है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रोएक्टिव रोल निभाते हुए निवेश करारों को तय समयसीमा में धरातल पर उतारने के कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त मंगलवार को सचिवालय में राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट के दौरान माइनिंग प्री समिट व अन्य अवसरों पर हुए एमओयू की प्रगति समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो स्वयं खान मंत्री भी है के नेतृत्व व मार्गदर्शन में माइनिंग सेक्टर में बड़े स्तर पर निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षरित हुए। एक हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों की प्रगति समीक्षा स्वयं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा की जा रही है वहीं एक सौ करोड़ से एक हजार करोड़ तक के निवेश करारों का रिव्यू मुख्य सचिव स्तर पर किया जा रहा है।टी. रविकान्त ने बताया कि विभाग द्वारा सीधे निवेशकों से संवाद कायम करने के साथ ही जिला स्तर के अधिकारियों से नियमित वर्चुअली समीक्षा की जाएगी। स्तर के निवेश करारों के संबंध में फील्ड अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्थानीय स्तर पर निवेशकों से समन्वय बनाते हुए उन्हें एमओयू करारों को धरातल पर उतारने में सहयोग करें। स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं का संभव निराकरण कराते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करें। संयुक्त सचिव माइंस श्रीमती आशु चौधरी ने बताया कि विभाग द्वारा राइजिंग राजस्थान के दौरान किए करारों को वर्गीकृत कर लिया गया है। नोडल अधिकारी अतिरिक्त निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा और सह प्रभारी अधीक्षण भूवैज्ञानिक जयपुर संजय सक्सेना ने राइजिंग राजस्थान के दौरान हुए निवेश करारों की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा नियमित मोनेटरिंग और फील्ड अधिकारियों से समन्वय बनाया जा रहा है। बैठक में अधीक्षण भूवैज्ञानिक सचिवालय सुनील वर्मा ने भी हिस्सा लिया।

जयपुर में आयोजित होगा राष्ट्रीय किसान और गौ पालक सम्मेलन

तीन दिवसीय आयोजन में गौ आधारित कृषि और प्राकृतिक खेती पर होगा मंथन

जयपुर (जनमार्ग न्यूज)। राष्ट्रीय किसान और गौ पालक सम्मेलन का आयोजन 26 से 28 मार्च तक सुरभि सदन, पिंजरापोल गौशाला, सांगानेर, जयपुर में होगा। इसमें प्राकृतिक कृषि, गौशालाओं के विकास और जैविक खेती से जुड़े मुद्दों पर मंथन होगा। सम्मेलन का आयोजन अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद, लोक भारती, अखिल भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ और हैनिमन चेरिटेबल मिशन सोसायटी की ओर से किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व युवा बोर्ड अध्यक्ष भूपेंद्र सैनी और भाजपा नेता राजेंद्र सिंह शेखावत ने पार्टी कार्यालय में सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया। अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन में गौ आधारित प्राकृतिक कृषि, किसानों और गौपालकों से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी।

गुप्ता ने बताया कि देशभर में अच्छा कार्य कर रही गौशालाओं का सम्मान किया जाएगा। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही राजस्थान और केंद्र सरकार के विभागों द्वारा किसानों, ग्राम विकास और औषधीय पौधों से जुड़े विषयों पर कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी।सम्मेलन में किसानों, गौशाला संचालकों और कृषि विशेषज्ञों के साथ विभिन्न योजनाओं पर मंथन होगा, जिससे प्राकृतिक कृषि और जैविक खेती को बढ़ावा मिल सके

लिटिल रोज कान्वेंट स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोहा

चूनावढ। कस्बे की लिटिल कान्वेंट स्कूल में मंगलवार को छात्र छात्रों ने वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक परसतुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कश्मीर सिंह बराड़ जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक नीरज कुमार सरदाना ने की विद्यालय समिति के सचिव प्रेम शर्मा कोषाध्यक्ष सतीश चुघ भी कार्यक्रम में मौजूद रहे इस दौरान अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर जोत प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस दौरान छात्र-छात्राओं ने घूमर, पंजाबी गिद्दा में सांस्कृतिक प्रस्तुति खेडण दिन चार नी मांए खेडण दे दे दिन चार ----और वे मैनू रेशमी रुमाल वागूं रख मुंडेया---- की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया इस अवसर पर अध्यक्ष ने विद्यालय प्रगति रिपोर्ट पेश करते हुए विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्रों की प्रशंसा करते हुए सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया प्रधानाध्यापक ने भाषण के बाद मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की करतन ध्वनि से विद्यालय का पंडाल गंजे मान हो गया इस अवसर पर अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को समृद्धि चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

'शिक्षा के साथ स्वास्थ्य भी' के तहत नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। राणा प्रताप कॉलोनी स्थित आरती मोंटेसरी एकेडमी में 'शिक्षा के साथ स्वास्थ्य भी' कार्यक्रम के अंतर्गत निश्शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में डॉ राजेश चलाना (आई स्पेशलिस्ट), डॉ. मनु बतरा (डेंटिस्ट), डॉ. विनोद सोनी (आयुर्वेदाचार्य) ने अपनी टीम के साथ सेवाएं प्रदान की। इस शिविर का 510 विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं वार्ड वासियों ने लाभ उठाया. डॉ विनोद सोनी ने विद्यार्थियों को हेल्दी लाइफ़स्टाइल को अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि जंक फूड एवं कोल्ड ड्रिंक से दूर रहते हुए घर की बनी हुई स्वादिष्ट एवं पौष्टिक वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए द्य डेंटिस्ट डॉ. दीक्षा ने विद्यार्थियों को मुख से संबंधित बीमारियों से बचने के उपाय एवं टूथब्रश का किस प्रकार उपयोग करना चाहिए इस बारे में बताया द्य विद्यालय निदेशक राजीव खेतान, प्रधानाध्यापिका पूनम खेतान एवं भाजपा नेता कृष्ण कुमार गुल्लू ने निशुल्क चिकित्सा शिविर में अपनी सेवाएं देने हेतु चिकित्सकों को सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया।

दो साल में साढ़े 3 लाख लाड़ली बहना कम हुई

जनमार्ग न्यूज

भोपाल। विधानसभा चुनाव से पहले शिवराज सरकार द्वारा शुरू की गई लाड़ली बहना योजना को लेकर विपक्ष सरकार पर लगातार सवाल उठाता रहा है। लाडली बहना योजना की राशि न बढ़ने, नई हितग्राहियों को स्कीम से न जोडने और लाडली बहनों की संख्या लगातार कम होने को लेकर कांग्रेस मोहन सरकार को घेरती रही है। विपक्ष के आरोपों के बीच चौंकाने वाली जानकारी भी सामने आई है कि समग्र पोर्टल से लाडली बहनों के नाम डिलीट किए जा रहे हैं। साथ ही समग्र पोर्टल से आधार को डीलिंक किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों से लेकर ब्लॉक, स्थानीय निकाय और कलेक्टरों तक इसकी शिकायतें पहुंच रही हैं।

नवजात शिशु का शव मिलने की घटना का खुलासा करने की मांग

❑ कोचिंग संस्थान और लाइब्रेरियन का वेरिफिकेशन किया जाए

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। नवजात शिशु शव मिलने की घटना का पता लगाने व कोचिंग संस्थान और लाइब्रेरियन का वेरिफिकेशन करने की मांग की गई। सिटी थाना प्रभारी सी आई दिनेश सारण खुद एक्सपर्ट टीम के साथ नवजात शिशु शव मिलने के घटनास्थल का निरीक्षण करके आसपास के लोगों से जानकारी लेकर सीसीटीवी कैमरा की सहायता से नवजात शिशु शव के संबंध में पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। किसान नेता राकेश बिश्नोई, जयवर्धन सिंह, अश्वनी भांभू , अभिमन्यु , हेमराज भादू , गुरमुख सिंह ने सी टी थाना प्रभारी सी आई दिनेश सारण से मुलाकात करके सोमवार को वार्ड नंबर 38 विश्वकर्मा मंदिर के पास कुत्ते के मुंह से छुड़ाया गया नवजात शिशु शव मिलने की घटना का पता लगाने के लिए टीम बनाकर आसपास के सीसीटीवी खंगाल कर दोषियों का पता लगाने की मांग करते हुए कहा शहर में शिक्षा के नाम पर चल रहे कोचिंग संस्थान और लाइब्रेरियों की जांच करके पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवाने वाले संस्थानों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग करते हुए कहा शिक्षक के नाम पर नशे और अवैध धंधों से शहर को बर्बाद नहीं होने देंगे इनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नगर पालिका अधिशासी अधिकारी और उपखंड अधिकारी से मुलाकात करके कोचिंग संस्थान और लाइब्रेरियों संचालन के लिए बनाए गए नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए बड़ा जन आंदोलन करने की चेतावनी दी।

पुली से इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी टकराने से युवक की मौत

खेत से घर लौटे समय हुआ हादसा

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। निकटवर्ती गांव ततारसर के 32 जीजी खेत की रोही सड़क के मोड़ के पास पक्का खाले से स्कूटी टकराने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी अनुसार सोमवार रात 8 बजे के करीब सुभाष उम्र 30 साल पुत्र राजेंद्र गांव ततारसर घर पर किसी काम का कहकर इलेक्ट्रिकल स्कूटी से खेत गया था। देर रात तक घर नहीं आने पर परिजनों ने सुभाष की तलाश शुरू कर दी। पड़ोसी रविंद्र 32 जीजी खेत की रोही में सुभाष को संभालने गया तो सड़क के डिग्गी मोड़ के पास पक्के खाले से स्कूटी टकराने से सुभाष की मौत हो गई। उसके बाद परिजनों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस की मौजूदगी में मृतक सुभाष के डेड बॉडी को जिला राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया एएसआई कंवरपाल ने बताया कि मृतक सुभाष की डैड बॉडी का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सुपुर्द किया। मृतक के ताया श्रीराम खटोड़ ने चूनावढ़ थाने में मर्ग दर्ज करवाई है।

प्रकाशहंस विप्र शिक्षा समिति के चुनाव सम्पन्न

❑ सर्वसम्मति से रघुवीर शर्मा अध्यक्ष तथा पवन पारीक उपाध्यक्ष निर्वाचित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। ब्राह्मण समाज की प्रमुख सामाजिक संस्था प्रकाशहंस विप्र शिक्षा समिति, श्रीगंगानगर की चुनाव प्रक्रिया सेतिया फार्म स्थित जय भारत पब्लिक स्कूल में विधिवत रूप से सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में सर्व ब्राह्मण समाजों के प्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद रहे। संरक्षक मडल के राजेंद्र जेटली, जगदीश गौड़ व मदन जोशी की भी गरिमामय उपस्थिति रही। विप्रजनों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से प्रकाशहंस विप्र शिक्षा समिति, श्रीगंगानगर के नई कार्यकारिणी के लिए हुए चुनाव में रघुवीर शर्मा को अध्यक्ष तथा पवन पारीक को उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। इस पर विप्रजनों ने फूलमालाएं पहनाकर नवनियुक्त दायित्वधारियों को शुभकामनाएं दी तथा अभिनंदन-सम्मान किया।

निवर्तमान अध्यक्ष पूर्व प्रधानाचार्य रमेश शर्मा ने अपने कार्यकाल में प्रकाशहंस विप्र शिक्षा समिति द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। संरक्षक राजेंद्र जेटली ने शिक्षा क्षेत्र में समाज के बच्चों के सर्वांगीण उत्थान के लिए आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी। संरक्षक मदनलाल जोशी ने समाज हित में विप्र समाज के नौनिहालों को सुसंस्कार शिक्षा के साथ-साथ वैदिक मंत्रोच्चार ज्ञान प्रदान करने पर बल दिया। संरक्षक मण्डल के भामाशाह जगदीश गौड़ ने जरूरतमंद प्रतिभाशाली बच्चों की शिक्षा में यथासम्भव सहयोग का विश्वास दिलाया। राकेश कपूरिया ने गायत्री मंत्र का जाप किया। खालसा सी.सै. स्कूल प्रधानाचार्य राजेश सारस्वत ने गायत्री मंत्र की महिमा से अवगत करवाया।

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। टाउन स्थित बिश्नोई धर्मशाला में श्री जम्भेश्वर प्राणी हितकारी समिति एवं बिश्नोई समाज के तत्वावधान में समाज के भामाशाह व खेल जगत में अपना परचम लहराने वाले कोच वं भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया। समाज एवं समिति के पदाधिकारियों द्वारा इनके इस योगदान पर हर्ष व्यक्त किया गया और भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति प्रधान श्रीमती राधादेवी पुनिया के प्रतिनिधि अश्वनी पुनिया ने की। समारोह का शुभारंभ गुरु जम्भेश्वर जी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। समिति एवं समाज के वरिष्ठ जनों ने भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू,जूडो कोच विनित बिश्नोई,भामाशाह राधाकृष्ण पूनिया व भामाशाह लखपत खीचड़ को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अश्वनी पुनिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र गोदारा,राजाराम भाम्भू,हरिसिंह गोदारा,रंगलाल सुथार, अजय गोदारा,सचिव श्री भगवान गोदारा, कोषाध्यक्ष मुकेश सहारण ने अतिथियो का शाल उड़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया व समाज के प्रबुद्ध नागरिक ने माला पहनाकर स्वागत किया।

आवारा नंदियों को हटाने की मांग की

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। टाउन जंक्शन क्षेत्र में आवारा नंदियों के आतंक से परेशान आमजन को राहत दिलाने के लिए राष्ट्रीय युवक परिषद ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। परिषद के जिलाध्यक्ष प्रवीण जैन के नेतृत्व में यह ज्ञापन दिया गया, जिसमें नगर के विभिन्न मोहल्लों में घूम रहे लड़ाकू व आक्रामक नंदियों को चिन्हित कर हटाने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि टाउन जंक्शन सहित कई इलाकों में इन दिनों नंदियों की संख्या बढ़ गई है, जो आए दिन राहगीरों, महिलाओं, बच्चियों और वृद्धजनों को घायल कर रहे हैं। ये नंदी आपस में लड़ाई कर सड़क पर वाहनों को टक्कर मारकर नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। कई घटनाओं में लोग चोटिल हो चुके हैं और भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने की आशंका है। परिषद ने नगरपरिषद हनुमानगढ़ के प्रशासक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर से आग्रह किया कि वे इस समस्या का संज्ञान लेते हुए व्यक्तिगत रुचि दिखाएं और नगरपरिषद एवं पशुपालन विभाग के सहयोग से इन चिन्हित नंदियों को सुरक्षित तरीके से मोहल्लों से बाहर निकाला जाए। इससे आमजन भयमुक्त होकर अपने घरों से बाहर निकल सकेंगे और शहर की सड़कों पर आवागमन सुचारू रूप से हो सकेगा। राष्ट्रीय युवक परिषद ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है ताकि लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके। यदि उचित कदम नहीं उठाए गए, तो परिषद जनहित में आगे भी आवाज उठाएगी।

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी आ गई जेनरेशन बीटा

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या पिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए, इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी का भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में इस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइम: जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यान: डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देना: संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबंध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावा: जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारी: एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

क्या पाकिस्तान से भारत में फैल सकता है पोलियो

फोटो पोलियो नाम से

मौजूदा समय में दुनिया के सिर्फ दो देश पोलियो से प्रभावित हैंङ्क पाकिस्तान और अफगानिस्तान। दुनिया के लगभग 85त्न पोलियो के मामले सिर्फ पाकिस्तान में हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के मुतबिक, हालिया जांच में पाकिस्तान के 21 जिलों में पोलियो के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं। पाकिस्तान में पोलियो के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और सीडीसी जैसी कई बड़ी संस्थाओं ने मदद का हाथ बढ़ाया है। पाकिस्तान में पोलियो के वैक्सिनेशन के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम चलाया जा रहा है। समस्या ये है कि स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। एक बंदूकधारी ने वैक्सिनेशन टीम पर गोलियां बरसा दीं। इसमें टीम की सुरक्षा कर रहे एक जवान की मौत हो गई। पाकिस्तान में बढ़ रहे पोलियो केस से भारत के लोग चिंतित हैं। साल 2011 में पोलियो मुक्त चीन में अचानक पोलियो के मामले बढ़ने लगे थे। जांच में पता चला था कि ये मामले पाकिस्तान से चीन गए लोगों के कारण फैले थे। भारत-पाकिस्तान के लोग सीमा पार आते-जाते हैं। इसलिए भारत के लोग डर रहे हैं। पोलियो एक गंभीर और कई बार जानलेवा बीमारी है, जो पोलियोवायरस के कारण होती है। बीते कुछ सालों में दुनिया के ज्यादातर देश पोलियो मुक्त हो चुके हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान को पोलियो मुक्त बनाने के लिए वैक्सिनेशन अभियान चल रहे हैं। पोलियो के लक्षण ज्यादातर लोगों में बहुत हल्के दिखते हैं या फिर दिखते ही नहीं हैं। कुछ मामलों में संक्रमण गंभीर हो सकता है। इन मामलों में पैरालिसिस यानी लकवा हो सकता है या मृत्यु तक हो सकती है। पोलियो से संक्रमित 95 प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखता है। मुश्किल ये है कि संक्रमित व्यक्ति बिना लक्षणों के भी पोलियो वायरस फैला सकता है। जिन लोगों में लक्षण दिखते हैं, ये मुख्य रूप से दो तरह के हो सकते हैं। नॉन-पैरालिटिक पोलियो के लक्षण एक से 10 दिनों तक रह सकते हैं। इसके लक्षण फ्लू जैसे होते हैं। इसमें आमतौर पर गले में खराश और बुखार होता है। पैरालिटिक पोलियो के बहुत कम मामले सामने आते हैं। पोलियो के लगभग 1त्न मामलों में ही पैरालिटिक पोलियो विकसित होता है। इससे रीढ़ की हड्डी, ब्रेनस्टेम या दोनों में लकवा हो सकता है। पोलियो का सबसे ज्यादा जोखिम 5 साल से कम उम्र के बच्चों को होता है। अगर किसी वयस्क को बचपन में पोलियो वैक्सीन की सभी खुराक नहीं मिली हैं तो उसे भी इसका जोखिम हो सकता है। आमतौर पर वैक्सिनेशन के बाद पोलियो का जोखिम न के बराबर होता है। इसके बावजूद कुछ बहुत रेयर मामलों में वैक्सिनेशन के बाद भी पोलियो हो सकता है। पोलियो संक्रमित व्यक्ति के छींकने या खांसने से फैल सकता है। अगर भोजन या पानी में इसका वायरस मौजूद है, तो उसके संपर्क में आने से भी यह फैल सकता है।

दिल्ली में सीएम की रेस में कई नेता शामिल लेकिन बीजेपी राजस्थान-हरियाणा की तरह कर सकती है सरप्राइज

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली ने नए मुख्यमंत्री का नाम आज घोषित हो जाएगा। आज शाम बीजेपी विधायक दल की बैठक में नए सीएम के नाम पर फाइनल मुहर लग जाएगी। इसके बाद कल दिल्ली के रामलीला मैदान में नए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होगा। रामलीला मैदान को शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयार किया जा रहा है। दीवारों पर नया रंग-रोगन किया जा रहा है और ब?-ब? टेंट लगाए जा रहे हैं।

26 साल बाद बीजेपी ने की है दिल्ली की सत्ता में वापसी: 8 फरवरी को आए चुनाव परिणामों में बीजेपी को 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें मिलीं। इसके साथ ही बीजेपी 26 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी कर रही है। आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटें मिलीं। चूंकि बीजेपी बिना किसी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा किए चुनाव में गई थी, इसलिए इस बात पर अटकलें तेज हो गई हैं कि मुख्यमंत्री कौन हो सकता है।

सीएम पद के लिए इन नामों की चर्चा: कई नए चुने गए विधायकों के नाम चर्चा में हैं। इनमें परवेश वर्मा, जिन्होंने ्क संयोजक अरविंद केजरीवाल को हराया, दिल्ली बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और सतीश उपाध्याय और पवन शर्मा, आशीष सूद, रेखा गुप्ता और शिखा राय जैसे अन्य नेता शामिल हैं। बवाना सीट से विधायक रविंदर इंद्र सिंह और पहली बार बीजेपी के लिए मादीपुर (स्ट) सीट जीतने वाले कैलाश गंगवाल के नाम पर भी चर्चा हो रही है।

फिर सरप्राइज कर सकती है बीजेपी: पार्टी के कई लोगों का मानना है कि बीजेपी नेतृत्व दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री के रूप में एक %डार्क हॉर्स% चुन सकता है, एक ऐसी रणनीति जिसे पार्टी ने राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में अपनाया था। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के नामों में अनुभव और युवाओं का मिश्रण शामिल होने की संभावना है, जिसमें राजधानी में प्रत्येक प्रमुख जाति और सामुदायिक समूहों का प्रतिनिधित्व होगा।

रामलीला मैदान में शपथ की तैयारियां पूरी: बता दें कि रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां लगभग पूरी हो गई है। एसपीजी ने रामलीला मैदान को टेकओवर कर लिया है। गुरुवार दोपहर 12:05 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ होगी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ओथ दिलाएंगे। मैदान में 30 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। यहां तीन बड़े स्टेज बनाए गए हैं। मुख्य स्टेज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एलजी और दिल्ली के सीएम बैठेंगे। दूसरे मंच पर धर्म गुरुओं को बिठाने का प्रबंध किया गया है। वहीं तीसरे मंच पर दिल्ली के सांसद और चुने विधायक बैठेंगे। फिल्मी सितारों को मंच के आगे और नीचे बिठाने की जगह तय हुई है।

किसानों ने सिंचाई विभाग कार्यालय पर किया प्रदर्शन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भाखड़ा क्षेत्र के किसानों ने मंगलवार को सिंचाई विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन कर चीफ इंजीनियर को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने नहरों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की मांग की और चेतावनी दी कि यदि पानी की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। भारतीय किसान यूनियन श्रीगंगानगर के जिला अध्यक्ष संदीप सिंह ने बताया कि किसानों और प्रशासन के बीच 4 मार्च से 20 मार्च तक नहरों में 1200 क्यूसेक पानी छोड़ने पर सहमति बनी थी। किसानों का कहना है कि यह पानी उनकी फसल पकाने के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग द्वारा अभी तक इस समझौते को पूरी तरह लागू करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। किसानों ने विभाग से मांग की कि वह अपने स्तर पर प्रयास करके इस सहमति को सुनिश्चित करे। किसान नेता जगमीत सिंह ने कहा कि अगर उन्हें 4 मार्च से 20 मार्च तक तयशुदा मात्रा में पानी नहीं मिला, तो उनकी महीनों की मेहनत बेकार हो जाएगी और फसलें नष्ट हो जाएंगी। किसानों ने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन ने समय पर पानी उपलब्ध नहीं कराया तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे और आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष संदीप सिंह जिला उपाध्यक्ष जगमीत सिंह बराड़ रेशम सिंह गुरसेवक सिंह सुभाष मक्का सर किशोर सिंह गुरपेज सिंह, गुरसविंदर सिंह जसमेल सिंह कुलवंत सिंह और भाखड़ा क्षेत्र के किसान मौजूद रहे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और जल आपूर्ति को प्राथमिकता दी जाए। किसानों ने कहा कि सिंचाई के लिए पानी का अभाव होने से उनकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा और वे पहले से ही कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार और सिंचाई विभाग के खिलाफ नारेबाजी भी की और जल्द से जल्द समाधान की मांग की।

अश्व मेले में डिस्प्ले प्रतियोगिता आयोजित, विजेताओं को किया गया सम्मानित

हनुमानगढ़। अश्व व पशुपालक सेवा समिति द्वारा आयोजित वार्षिक अश्व मेले के चौथे दिन मंगलवार को डिस्प्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सैकड़ों घोड़ों और अश्व पालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन की शुरुआत समाजसेवी प्रेम ढुढाणी, सरपंच प्रतिनिधि गुरलाल सिंह, समिति अध्यक्ष रिछपाल सिंह मान, करनी सिंह गिल और भरपूर सिंह सहित अन्य गणमान्य सदस्यों द्वारा की गई। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न नस्लों के सुंदर और प्रशिक्षित घोड़ों का प्रदर्शन किया गया। इन अश्वों की विशेषताओं, रंग-रूप और प्रशिक्षण स्तर का मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अश्वपालकों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह और जोश देखने को मिला। समिति अध्यक्ष रिछपाल सिंह मान ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 फरवरी को मेले में छोटी और बड़ी चाल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में घोड़ों की चाल, संतुलन और प्रशिक्षण क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। वहीं, 21 फरवरी को मेले का सबसे रोमांचक आकर्षण अश्व नृत्य प्रतियोगिता होगी, जिसमें घोड़े अपने प्रशिक्षकों के निर्देशन में नृत्य प्रस्तुत करेंगे। मेले में पशुपालन विभाग की टीम द्वारा घोड़ों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है ताकि पशुओं की देखभाल सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, नगरपरिषद हनुमानगढ़ द्वारा मेला मैदान में निरंतर पानी का छिड़काव किया जा रहा है, जिससे धूल-मिट्टी की समस्या को नियंत्रित किया जा सके और मेले में आने वाले दर्शकों व पशुपालकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस मेले के सफल संचालन में समिति के अध्यक्ष रिछपाल सिंह मान, करनी सिंह गिल, भरपूर सिंह, मोहन सिंह, धन सिंह सहित अन्य सदस्यों और स्थानीय प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ओटीपी, लिंक पर क्लिक, ऐप इंस्टॉल... कुछ भी नहीं किया, फिर भी उड़ गए सारे पैसे, जानिए कैसे

नई दिल्ली। देश में साइबर ठगी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। साइबर ठग इसके लिए रोज-रोज नए तरीके ईजाद कर रहे हैं। वे आपसे ओटीपी मांगे बिना आपके अकाउंट को खाली कर सकते हैं। साइबर ठग अब कॉल मर्जिंग या कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए लोगों की गाढ़ी कमाई पर डाका डाल रहे हैं। यह ऐसा तरीका है जिसमें आपसे ओटीपी भी नहीं मांगा जाता है। बस एक कॉल आती है और आपका अकाउंट मिनटों में खाली हो जाता है। जाने-माने साइबर और फॉरेंसिक एक्सपर्ट अमित दुबे ने साइबर ठगों के काम करने के तरीके के बारे में एक इंटरव्यू में बताया है। उनका कहना है कि बातों-बातों में आपसे ओटीपी ले लिया जाता है और आपको पता भी नहीं चलता है। दुबे ने बताया कि बदलते समय के साथ साइबर ठग भी नए-नए तरीके अपना रहा हैं। सरकार और एजेंसियां बार-बारे लोगों से ओटीपी और पर्सनल डिटेल शेयर नहीं करने का अनुरोध करते हैं। लेकिन साइबर ठगों ने अपना ऐसा तरीका निकाल लिया है कि आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपने अपना ओटीपी शेयर कर दिया है। साइबर ठग कॉल मर्जिंग या कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर ठगों के पास कम से कम 12 ऐसे तरीके हैं जिससे वे आसान से आपका फोन हैक कर सकते हैं। इनमें कॉल मर्जिंग, कॉल फॉरवर्डिंग, क्यूआर कोड, स्क्रीन शेयरिंग टेक्नीक और ऐप्स के जरिए ठगी शामिल है।

कॉल मर्जिंग से ठगी: कॉल मर्जिंग तकनीक के बारे में दुबे ने कहा कि इसमें आपको किसी अजनबी का फोन आता है। वह कहता है कि उसे किसी दोस्त के जरिए आपका नंबर मिला है। अजनबी कहता है कि वह आपको किसी इवेंट के लिए इनवाइट करना चाहता है। इस बीच आपको एक और कॉल आएगा। इस पर अजनबी व्यक्ति कहेगा कि यह आपके दोस्त को फोन है जो वीआईपी नंबर से कॉल कर रहा है। वह आपसे कॉल मर्ज करने को कहेगा। जैसे ही आप कॉल मर्ज करेंगे, आपके अकाउंट से पैसे निकल जाएंगे। आपका वॉटसऐप, फेसबुक या गूगल अकाउंट हैक हो सकता है। वह बताते हैं कि आपने कोई ओटीपी नहीं दिया, कोई लिंक क्लिक नहीं किया और न ही कोई ऐप इंस्टॉल किया, फिर भी आपका अकाउंट हैक हो गया। उन्होंने बताया कि आपको जो दूसरा कॉल आया, वह ओटीपी का था। जो कॉल पहले एसएमएस पर आते थे, वे अब कॉल पर आते हैं। असल में दूसरा कॉल ओटीपी का था। जैसे ही आप कॉल मर्ज करेंगे, साइबर ठग को ओटीपी का पता चल जाएगा। जब तक आपको अहसास होगा, तब तक आपके अकाउंट से पैसे जा चुके होंगे। उन्होंने कहा, ओटीपी कोई देता नहीं है, इसे एक तरीके से निकाला जाता है।

स्क्रीनशॉट के जरिए ठगी: दुबे ने बताया कि साइबर ठग कैसे स्क्रीनशॉट के जरिए अकाउंट खाली करते हैं। उन्होंने अपने एक मित्र के साथ हुई ठगी का उदाहरण दिया। दुबे ने कहा कि मेरे एक मित्र ने गूगल से सर्च करके दिल्ली के एक होटल का नंबर मिलाया। कॉल करने पर उन्होंने एक रूम बुक करने को कहा। बुक करने वाले ने कार्ड की डिटेल मांगी। जब दोस्त ने डिटेल देने से मना किया तो बुकिंग करने वाले ने कहा कि वह ओटीपी थोड़ी मांग रहा है। कार्ड डिटेल भरने पर पेमेंट का ओटीपी आया जिसे दोस्त ने शेयर कर दिया। ओटीपी डालते कि पैसा कट गया। लेकिन बुकिंग करने वाले ने कहा कि कहा कि पैसा नहीं आया। उसने स्क्रीन शॉट मांगा। स्क्रीन शॉट भेजने पर बुकिंग करने वाले ने कहा कि स्क्रीन शॉट सही है लेकिन पैसा मेरे अकाउंट में नहीं आया। फिर उसने एक रुपया भेजने को कहा। जब इसका ओटीपी आया तो यह 16,000 रुपये का था। लेकिन बुकिंग करने वाले ने कहा कि ओटीपी 1 रुपये का है। इस पर उसने फिर से स्क्रीन शॉट मांगा। इस पर ओटीपी था और एक झटके में दोस्त के अकाउंट से 16,000 रुपये निकल गए। दुबे ने कहा कि साइबर ठगी करने वाले हर बार नया तरीका अपनाते हैं और लोग उनके जाल में फंस जाते हैं।

तेज रफ्तार कार पेड़ में घुसी, शादी से लौट रहे दो युवकों की मौत

गाड़ी देखकर सहम गए लोग

हाथरस। चंदपा क्षेत्र से शादी समारोह से लौट रहे युवकों की कार मुरसान क्षेत्र में पेड़ से टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हुए हैं। कार की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसकी स्पीड 100 किलोमीटर प्रतिघंटा से अधिक रही होगी।राया क्षेत्र के गांव चमीला से पवन कुमार के बेटे भीमसेन की बरात हाथरस के गांव कोटा में आई थी। बरात में राया के गांव बड़ौन निवासी चार-पांच युवक भी शामिल होने आए थे। रात्रि करीब एक बजे वह अर्टिगा कार से लौट रहे थे। मथुरा रोड पर मुरसान कोतवाली क्षेत्र में करबन नदी से थोड़ा पहले कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में 21 वर्षीय शिवम पुत्र पुरुषोत्तम उर्फ बबलू और 18 वर्षीय मंजीत पुत्र ओमवीर की मौके पर ही मौत हो गई। मंजीत का भाई प्रिंस और उनका दोस्त रवि गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रिंस को गंभीर हालत में अलीगढ़ रेफर कर दिया गया है। रवि का अभी पता नहीं चल सका है। वह घटना के बाद पुलिस को नहीं मिला है। अंदेशा है कि उसे किसी राहगीर दूसरे किसी अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना से युवाओं को मिल रही कोचिंग सुविधा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार अधिकतम विद्यार्थियों को कोचिंग सुविधा से लाभान्वित करने की दृष्टि से राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना को बेहतर तरीके से लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न प्रोफेशनल कोर्सेज एवं प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से उत्कृष्ट रूप से कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। इस दृष्टि से जिले में मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के लिए अभ्यर्थियों से 23 फरवरी 2025 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक विरेन्द्र पाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स एवं नौकरियों के लिए 30 हजार सीटों पर वरीयतानुसार प्रवेश दिए जाने के लिए अभ्यर्थियों से वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजनान्तर्गत पात्र अभ्यर्थी द्वारा कोचिंग किए जाने के लिए अपने आवेदन एसएसओ पोर्टल द्वारा विभागीय एसजेएमएस एसएमएस एप के माध्यम से ऑनलाईन किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, आरपीएससी द्वारा आयोजित आरएएस एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा, सब इंस्पेक्टर, पूर्व में 3600 ग्रेड पे तथा वर्तमान पर मेट्रिक्स पे-लेवल 10 की अन्य परीक्षाएं, रीट परीक्षा, आरएसएसबी द्वारा आयोजित पटवारी, कनिष्ठ सहायक व समकक्ष अन्य परीक्षा, कान्सटेबल परीक्षा, बैंकिंग एवं बीमा के विभिन्न परीक्षाएं, इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा, क्लेट, रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, यूपीएससी द्वारा आयोजित कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज, स्टाफ सिलेक्शन कमिश्नर द्वारा आयोजित परीक्षाएं सीडीएस एवं एसएससीए सीयूईटी आदि परीक्षाओं की तैयारी कोचिंग संस्थाओं के माध्यम से कराई जाती है।

उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग, अति पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग, आर्थिक पिछडा वर्ग एवं विशेष योग्यजन श्रेणी का सदस्य हो तथा राज्य का मूल निवासी होना आवश्यक है। वे छात्र-छात्राएं, जिनके परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपए प्रतिवर्ष से कम हो या जिनके माता-पिता राज्य सरकार के कार्मिक होने पर पे-मैट्रिक्स का लेवल-11 तक का वेतन प्राप्त कर रहे हों, योजना के नियमानुसार पात्र होंगे। अभ्यर्थी द्वारा पूर्व में संचालित अनुप्रति योजना का लाभ नहीं लिया गया हो। यदि कोई अभ्यर्थी केन्द्र, राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रम, आयोग, बोर्ड व अन्य किसी शासकीय निकाय में नियमित राजकीय कार्मिक के रूप कार्य करने वाले अभ्यर्थी कोचिंग योजनान्तर्गत पात्र नहीं होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के संबंध में नवीनतम विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है।

गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह जी में प्रभात फेरी के चौथे दिन गूंजी 'वाहेगुरु' की सदाएं

नगर में 2 मार्च तक चलेंगे धार्मिक कार्यक्रम, संगत में उत्साह

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। स्थानीय गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह जी में आयोजित सालाना शहीदी समागम के तहत धार्मिक कार्यक्रम जारी है। इस क्रम में 11 फरवरी से प्रारंभ हुई प्रभात फेरी का आज आठवा दिन रहा, जिसमें शहर की गलियों में 'वाहेगुरु' का नाम गूंजायमान हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रभात फेरी में शामिल हुए और गुरु महिमा का गुणगान किया।

गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के प्रधान जरनैल सिंह मुत्ति व मास्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 29 जनवरी से अखंड पाठ साहब की शुरुआत की गई थी, जो कि 2 मार्च तक चलेंगे। इसके अंतर्गत गुरु ग्रंथ साहिब जी के पवित्र पाठ का रसास्वादन संगत कर रही है।इस धार्मिक आयोजन के तहत 11 फरवरी से 27 फरवरी तक प्रभात फेरी निकाली जा रही है, जिसमें नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए श्रद्धालु गुरबाणी का उच्चारण कर रहे हैं। फेरी में शामिल गुरतेज सिंह, यादवेंद्र सिंह, खुशविंदर सिंह, सुखविंदर सिंह, इकबाल सिंह, जसपाल सिंह, सुखपाल सिंह करणी सिंह, बाबा दीप सिंह सेवक जत्था के सदस्य समेत कई अन्य सेवक श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। 28 फरवरी को नगर कीर्तन निकाला जाएगा, जिसमें गुरु की शान में रागी ढाढी गुरु की महिमा का बखान करेंगे। नगर कीर्तन में पंजाब और अन्य राज्यों से संगतों के आने की संभावना है। वहीं, 2 मार्च को सालाना समागम दीवान का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध रागी जत्थे गुरबाणी कीर्तन से निहाल करेंगे। प्रभात फेरी के दौरान श्रद्धालु पूरे श्रद्धा भाव से 'वाहेगुरु' का जाप करते हुए चल रहे हैं। श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को आत्मिक शांति और धार्मिक जुड़ाव का अद्भुत अवसर बताया। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे संपूर्ण समागम में भाग लेकर गुरु घर की खुशियों को प्राप्त करें।

भारत ने रूस के साथ की एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीदने पर बातचीत

अमेरिकी एफ-35 फाइटर नहीं खरीदेगी वायुसेना? ट्रंप को झटका!

मॉस्को। डोनाल्ड ट्रंप भारत पर एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट के अधिग्रहण के लिए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस बीच रिपोर्ट है कि भारत और रूस के बीच एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के अधिग्रहण को लेकर बातचीत हुई है। यानि भारत ने साफ कर दिया है कि वो किसी भी प्रेशर के आगे झुकने वाला नहीं है और भारतीय सेना वही फैसला करेगी, जो देशहित में होगी। रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को और दिल्ली के बीच एसयू-57 को लेकर उस वक्त बातचीत की गई है, जब डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत को अमेरिकी एडवांस फिफ्थ जेनरेशन लड़ाकू विमान एफ-35 लाइटनिंग का ऑफर दिया था। चीन और पाकिस्तान लगातार अपनी वायुसेना को एडवांस बनाने के लिए काम कर रहे हैं। पाकिस्तान ने चीन से जे-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने की भी घोषणा कर रखी है, लिहाजा भारत पर भी अपने बेड़े में स्टील्थ फाइटर जेट को शामिल करने का प्रेशर है।%

अमेरिकी एडवांस एफ-35 लड़ाकू विमान के विपरीत रूसी एसयू-57 ही भारत के लिए विकल्प है। भारत को अगर फिफ्थ जेनरेशन लड़ाकू विमान खरीदना है तो इन्हीं दोनों में से किसी एक के साथ जाना होगा। लेकिन अमेरिकी फाइटर जेट हमेशा कई शर्तों के साथ आते हैं। अमेरिका कई सीमाओं में बांधकर उनका सौदा करता है। हम अभी देख ही रहे हैं कि कैसे तेजस फाइटर जेट का इंजन देने में अमेरिका बहानेबाजी कर रहा है। अमेरिकी कभी मानवाधिकार को लेकर मुंह फुलाता है तो कभी जियो-पॉलिटिक्स में भारत से समर्थन नहीं मिलने पर नाराज हो जाता है। ऐसे में एक्सपर्ट्स हमेशा अमेरिकी हथियारों को लेकर सशंकित रहे हैं।

भारत और रूस में एसयू -57 पर बातचीत

दुनिया में अभी सिर्फ तीन देशों के पास ही स्टील्थ फाइटर हैं। अमेरिका, रूस और चीन। तुर्की भी जल्द ही इस क्लब में शामिल हो जाएगा, जब वो ञ्चह्र प्रोजेक्ट को फाइनल कर लेगा। ञ्चह्र के तहत तुर्की पांचवीं पीढ़ी के जेट्स का निर्माण कर रहा है और ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि तुर्की में प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। दूसरी तरफ अमेरिका अकसर कई मुद्दों को लेकर भारत पर प्रतिबंध लगाने की धमकियां देता आया है। पश्चिमी देश प्रतिबंध को हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं और परमाणु परीक्षण के वक्त भारत इसे झेल भी चुका है। भारत और अमेरिका के बीच भले ही रणनीतिक संबंध बन चुके हों, लेकिन अभी भी दोनों देशों के बीच विश्वास भरा रिश्ता नहीं बना है। अलग अलग मौकों पर अमेरिकी सांसद और सीनेटर्स विश्वास भरे रिश्ते की बहाली की बात कर चुके हैं।

टावर से बैटरी चोरी के चार आरोपी गिरफ्तार

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। हनुमानगढ़ जिले में बीएसएनएल टावर से बैटरी चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब चोरी किए गए सामान की बरामदगी और अन्य संभावित वारदातों के संबंध में आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पल्लू थानाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि घटना 8 फरवरी 2025 की देर रात की है। चोरों ने छोटी चान्देड़ी गांव में स्थित बीएसएनएल टावर के केबिन का ताला तोड़कर पावर की 8 बैटरियां और संबंधित केबल चुरा लिए। मामले की शिकायत 15 फरवरी को बीएसएनएल टावर के इन्फ्रा इंजीनियर कालूराम मटोरिया ने पल्लू थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक अरशद अली के निर्देश पर पल्लू थानाधिकारी सुशील कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर जांच करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गंगा और यमुना का पानी जनवरी-फरवरी में सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा...

यूपीपीसीबी आज एनजीटी में दाखिल करेगा रिपोर्ट

जनमार्ग न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 के दौरान गंगा और यमुना के पानी की गुणवत्ता पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में सुनवाई से एक दिन पहले, यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने ब?ी बात कही है। यूपीपीसीबी ने मंगलवार को बताया कि जनवरी-फरवरी में महाकुंभ शहर से लिए गए पानी के नमूने सुरक्षा मानकों पर खरे उतरे हैं। ये सुनवाई एनजीटी में होनी है। यूपीपीसीबी का प्रतिनिधि वहां जाएगा। इस दौरान यूपीपीसीबी की तरफ से जल निगम की एक रिपोर्ट भी पेश की जाएगी। यह रिपोर्ट एमएनआईटी के अध्ययन पर आधारित है। यूपीपीसीबी की तरफ से आज एनजीटी में जो रिपोर्ट फाइल की जानी है, उसमें प्रयागराज में 6 जगहों से लिए गए सैंपल को आधार बनाया गया है। इसमें 4 नमून गंगा के हैं और दो यमुना नदी से लिए गए हैं। ये सभी नमूने 12, 16, 20, 25, 30 जनवरी और 5, 10 और 13 फरवरी को लिए गए। बता दें सीपीसीबी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उसने 12, 13, 15, 19, 20, 24 और 28 जनवरी को गंगा और यमुना के कई जगह नमूने लिए। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों में अपशिष्ट जल के बहाव को रोकने के मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि सीपीसीबी ने 3 फरवरी को एक रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें कुछ गैर-अनुपालन या उल्लंघनों की ओर इशारा किया गया।

पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने समग्र कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने के एनजीटी के पूर्व के निर्देश का अनुपालन नहीं किया है। एनजीटी ने कहा कि यूपीपीसीबी ने केवल कुछ जल परीक्षण रिपोर्टों के साथ एक पत्र दाखिल किया।

एनजीटी ने मामले में उत्तर प्रदेश राज्य के वकील को रिपोर्ट पर गौर करने और जवाब दाखिल करने के लिए एक दिन का समय दिया। पीठ ने कहा कि सदस्य सचिव, यूपीपीसीबी और प्रयागराज में गंगा नदी में पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार संबंधित राज्य प्राधिकारी को 19 फरवरी को होने वाली अगली सुनवाई में डिजिटल तरीके से उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

शराब घोटाला केस...4 मार्च तक जेल में रहेंगे कवासी

जज से कहा- मुझे विधानसभा-सत्र में शामिल होने दिया जाए; अनुमति पर 20 फरवरी को फैसला

जनमार्ग न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा 4 मार्च तक रायपुर जेल में न्यायिक हिरासत में रहेंगे। कोर्ट ने उनकी हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ा दी है। रायपुर स्थित ईडी की स्पेशल कोर्ट में लखमा मंगलवार को पेश हुए। सुनवाई के दौरान लखमा ने जज से कहा कि मुझे विधानसभा सत्र में शामिल होना है। छत्तीसगढ़ की जनता के बहुत से मुद्दे उन्हें विधानसभा में उठाने हैं। अनुमति दी जाए। इसके लिए लखमा के वकील फैजल रिजवी की ओर से कोर्ट में आवेदन भी दिया गया है। कवासी लखमा की अर्जी पर आपत्ति जताते हुए ईडी के वकील सौरभ पांडे ने कहा कि अगर विधानसभा में कोई वोटिंग चल रही है, लखमा की ओर से कोई सवाल पूछा गया है या उन्हें कोई जवाब देना है, ऐसी कोई स्थिति है तो आप बताइए।

ईडी के वकील ने अपने तर्क में कहा कि, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से विधानसभा में कवासी लखमा को पार्टिसिपेट करने के लिए कोई पत्र नहीं आया है, इसलिए इन्हें अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। दोनों पक्षों का तर्क सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस पर 20 फरवरी को फैसला आएगा। शराब घोटाला मामले में ईडी ने 15 जनवरी को कवासी लखमा को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उनसे 2 बार ईडी दफ्तर बुलाकर पूछताछ की गई थी। गिरफ्तारी के 7 दिन बाद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को पहले ईडी ने 7 दिन कस्टोडियल रिमांड में लेकर पूछताछ की थी। उसके बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक लखमा को 14 दिन के न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। पिछली सुनवाई के दौरान जेल में पर्याप्त बल नहीं होने के कारण लखमा की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेशी हुई थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने लखमा की 18 फरवरी तक रिमांड बढ़ा दी थी।

राज्य बजट को थोथी घोषणाओं का पुलिंदा बताया

गत बजट घोषणाएं पूरी नहीं होने से श्रीगंगानगर जिले की जनता को हुई निराशा : नागर

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने राजस्थान के बजट को थोथी घोषणाओं का पुलिंदा बताते हुए कहा है कि इससे श्रीगंगानगर जिले सहित पूरे राज्य की जनता अपने आपको ठगा सा महसूस कर रही है। जिलाध्यक्ष राजेश नागर ने कहा कि वित्त मंत्री दीया कुमारी ने अपने तीसरे बजट में हर बार की तरह इस बार भी झूठी वाहवाही लूटने के लिए कोरी घोषणाएं की है, लेकिन उन्हें धरातल पर उतारने का कोई खाका पेश नहीं किया है। वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा गत बजट में की गई घोषणाएं आज तक पूरी नहीं होने से श्रीगंगानगर जिले की

जनता को अत्यंत निराशा हुई है। श्री नागर ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य बजट की पिछली घोषणा के ग्रीन एक्सप्रेस-वे, गाजर मंडी, कैंसर अस्पताल व 132 केवी जीएसएस की डीपीआर तक नहीं बनी है तथा गत बजट की जिले से जुड़ी 10 से ज्यादा घोषणाओं पर कोई कार्यवाही तक नहीं होने से स्पष्ट होता है कि राज्य की भाजपा सरकार झूठी घोषणाएं करके आमजन को भ्रमित कर रही है तथा झूठी वाहवाही लूट रही है। जिलाध्यक्ष नागर ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार को थोथी घोषणायें करने की बजाय महंगे पेट्रोल-डीजल की दरों में कमी करके तथा महंगाई पर अंकुश लगाकर आम आदमी को राहत प्रदान करनी चाहिए।

अमेरिका ने जारी किया अवैध प्रवासियों को जंजीरों-बेड़ियों में बांधने का वीडियो

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में शपथ ग्रहण के बाद से ही अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख दिखाया है। अमेरिका में अवैध तरीके से रह रह लोगों को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन गिरफ्तार कर वापस भेज रहा है। इनमें भारत, मेक्सिको, सल्वाडोर, ब्राजील, कनाडा, कोलंबिया, इक्वाडोर जैसे देशों के नागरिक मुख्य रूप से शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन ने अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए बेहद अमानवीय तरीका अपनाया है। जंजीरों में जकड़कर इन लोगों को सैन्य विमानों से वापस भेजा रहा है। भारत समेत दुनियाभर में इस अमानवीयता का विरोध हो रहा है लेकिन ट्रंप सरकार इसे ना सिर्फ जारी रखे हुए है बल्कि इसके वीडियो जारी करते हुए बेशर्मी से प्रवासियों का मजाक भी बना रही है।

वाइट हाउस ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में गैरकानूनी प्रवासियों को हथकड़ी और जंजीर से बांधकर जहाज में बैठाते हुए दिखाया गया है। वाइट हाउस ने इस वीडियो पर लिखा 'एसएमआर: अवैध विदेशी निर्वासन उड़ान। एसएमआर का मतलब ऑटोनॉमस सेंसरी मेरिडियन रिस्पांस होता है। इसे एक तरह का झुनझुनी वाला एहसास कहा जाता है। इस शब्द का इस्तेमाल आरामदायक के लिए भी किया जाता है। यानी प्रवासियों का मजाक उड़ाने के लिए ये कैप्शन वीडियो को दिया गया है।

एलन मस्क का भद्दा मजाक!

टेस्ला के सीईओ और डोनाल्ड ट्रंप के खास सहयोगी एलन मस्क ने व्हाइट हाउस इस वीडियो को रीट्वीट करते हुए %हाहा, वाह% लिखा है। सोशल मीडिया पर वीडियो आने के बाद कई लोगों ने इसे घृणित और बेशर्मी की हद बताया है। सोशल यूजर्स का कहना है कि गैरकानूनी प्रवासियों को हथकड़ी और जंजीरों से बांधकर उनके देश वापस भेजना और उनका मजाक उड़ाना किसी भी सभ्य समाज के लिए कंलक की तरह है।

अमेरिका से भारत लौटे निर्वासितों ने भी अपने साथ हुए खराब बर्ताव का खुलासा किया है। अमेरिका से लौटे लोगों ने बताया है कि उनको जंजीरों से बांधा जाता है और मानसिक यातना दी जाती है। अब तक गैरकानूनी भारतीय प्रवासियों को लेकर तीन अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर पहुंच चुके हैं। भारत में लगातार ये मांग हो रही है कि इस तरह से अमानवीय बर्ताव हमारे नागरिकों के साथ बंद किया जाए लेकिन अमेरिका फिलहाल मनमानी पर कायम दिख रहा है।

अमेरिका में बड़ी तादाद में भारतीय

अमेरिका में सबसे ज्यादा गैरकानूनी प्रवासी मेक्सिको से हैं, जिनकी संख्या 40 लाख के करीब है। इसके बाद एल सल्वाडोर से 7.5 लाख और भारत के 7.25 लाख लोग अमेरिका में हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका ने करीब 18,000 भारतीय गैरकानूनी प्रवासियों की पहचान की है, जिनको वापस भेजा जाएगा।

सीटू का 15वां सम्मेलन संपन्न

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सेंट्रल वेयरहाउस पल्लेदार और मजदूर यूनियन (सीटू) का 15वां सम्मेलन हनुमानगढ़ जंक्शन में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता मंडल मोहम्मद इकबाल, हाकिम मंडल विनोद कुमार और शिवकुमार ने की। कार्यक्रम की शुरुआत झंडारोहण के साथ हुई, जिसके बाद उद्घाटन भाषण कॉमरेड मोहन जी गंगानगर ने दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान में देश की भाजपा सरकार मजदूर वर्ग के खिलाफ नीतियां बना रही है, जिससे आम जनता को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की जनविरोधी नीतियों से केवल पूंजीपतियों को लाभ हो रहा है, जबकि मजदूर वर्ग आर्थिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे में श्रमिक वर्ग को संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना होगा। सम्मेलन में सीटू जिला अध्यक्ष कॉमरेड आत्मा सिंह, कॉमरेड शेर सिंह, शाक्य बहादुर सिंह चौहान, रामेश्वर वर्मा, बसंत सिंह, वारिस अली, रिशपाल, कपिल देव सहित कई अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे। उन्होंने मजदूरों की समस्याओं, उनके अधिकारों और सरकार की नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि श्रमिकों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए और संगठन को मजबूत करना चाहिए। सम्मेलन के दौरान यूनियन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें सात सदस्यों को विभिन्न पदों पर चुना गया। इसमें कॉमरेड शिवकुमार को अध्यक्ष, अफसर अली को उपाध्यक्ष, रंजीत कुमार को सचिव, गुरप्रेम सिंह कोषाध्यक्ष, और जसपाल सिंह, महेश एवं अमित कुमार को कमेटी सदस्य बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान मजदूरों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और सरकार से मांग की गई कि श्रमिक वर्ग की समस्याओं को हल किया जाए। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मजदूरों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन को तेज करेंगे।

खड़ी ट्रेलर से टकराई बस,1 की मौत,18 घायल

जगदलपुर से प्रयागराज जा रहे थे सभी ;पाटन के 5 श्रद्धालु को आई चोट

जनमार्ग न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ से महाकुंभ जा रहे यात्री 2 अलग-अलग सड़क हादसे के शिकार हुए है। पहले हादसे में जगदलपुर से महाकुंभ जा रही बस खड़ी ट्रेलर से टकरा गई। जिसमें 1 की मौत हुई है वहीं 18 लोग घायल है। बुधवार सुबह 6 बजे मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ की सीमा पर वेंकनगर खैरझिटी गांव के पास यह हादसा हुआ। मध्यप्रदेश के जैतहरी थाना क्षेत्र का मामला है। वहीं वेंकटनगर क्षेत्र में दूसरा हादसा सुबह 7 बजे हुआ जब प्रयागराज कुंभ स्नान कर छत्तीसगढ़ लौट रहे टेंपो वाहन को हाईवा ने पीछे से टक्कर मार दी, सभी दुर्ग जिले के पाटन के रहने वाले है। वाहन में सवार 12 श्रद्धालुओं में से पांच को चोट आई है, 2 की हालत गंभीर है। सभी को जिला अस्पताल गौरेला पेंड्रा मरवाही में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, बस और ट्रेलर की टक्कर में घायलों को अनूपपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है इनमें 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा तेज रफ्तार बस बार-बार ओवरटेक भी कर रही थी तभी टक्कर हुई। हादसे की सूचना मिलते ही छत्तीसगढ़ के गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के पुलिस प्रशासन और मध्य प्रदेश की पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तुरंत इलाज की सुविधा मुहैया कराया गया। वहीं हादसे के बाद लंबा जाम गया था जिसे घंटों बाद यातायात पुलिस ने खुलवाया है। घटना में महेंद्र ट्रेवल्स की बस के सामने का कांच फूट गया और एक हिस्सा पूरी तरह से चपट गया है। बस में करीब 45 लोग थे, इनमें 18 लोग घायल हुए है और 1 हेल्पर की मौत हुई है। ज्यादातर लोग जगदलपुर के रहने वाले थे बाकी अलग-अलग जिलों से थे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दिल्ली तक लॉबिंग

हाईकमान तक पहुंचे डहरिया और भगत; सिंहदेव बोले- सबके नाम पर हो विचार

जनमार्ग न्यूज

रायपुर। लोकसभा और नगरीय निकाय चुनावों में हार के बाद कांग्रेस हाईकमान पर नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए दबाव बढ़ रहा है। पीसीसी अध्यक्ष के लिए पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का नाम चर्चा में आते ही प्रदेश के कई बड़े नेता लामबंद हो गए हैं। वे प्रदेश कांग्रेस की कमान किसी आदिवासी नेता को देने की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर दिल्ली तक लॉबिंग शुरू हो चुकी है। जिसे लेकर सिंहदेव का कहना है कि किसी को सिर्फ जातीय या वर्गीय आधार पर पद नहीं मिलना चाहिए, बल्कि ये देखना जरूरी है कि कौन सबसे अच्छा नेतृत्व कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता इस मुद्दे पर राष्ट्रीय नेतृत्व से चर्चा के लिए दिल्ली पहुंच चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस समय दिल्ली में हैं। जबकि पूर्व मंत्री अमरजीत भगत और शिव डहरिया भी दिल्ली पहुंच गए हैं।इधर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, विधायक लखेश्वर बघेल, पूर्व विधायक संतराम नेताम और फूलीदेवी नेताम काफी सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। मंगलवार को ही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि उन्होंने राजनीतिक विषयों पर चर्चा की है। कांग्रेस में यह चर्चा जोरों पर है कि आदिवासी नेतृत्व को आगे लाया जाए या टीएस सिंहदेव को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाए। आदिवासी नेताओं का तर्क है कि चूंकि मुख्यमंत्री पद गैर-आदिवासी नेता (विष्णुदेव साय) के पास है, ऐसे में प्रदेश कांग्रेस की कमान आदिवासी नेता को दी जानी चाहिए।

राजस्थान परिवहन निगम संयुक्त कर्मचारी फैडरेशन ने 14 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राजस्थान परिवहन निगम संयुक्त कर्मचारी फैडरेशन, जो भारतीय मजदूर संघ एवं भारतीय परिवहन मजदूर महासंघ से संबद्ध है, ने अपनी 14 सूत्रीय मांगों को लेकर निगम प्रबंध निदेशक के नाम मुख्य प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मांग की कि इन मांगों पर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, अन्यथा आंदोलन तेज किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि फैडरेशन ने 25 सितंबर 2024 से मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना दिया था, जिसके बाद 1 अक्टूबर 2024 को उप मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री की अध्यक्षता में निगम प्रबंधन और फैडरेशन के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई। इस वार्ता के बाद 14 बिंदुओं पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। फैडरेशन ने अपनी प्रमुख मांगों में निगम कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन का भुगतान हर माह की पहली तारीख को करने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लंबित परिलाभों के भुगतान की

व्यवस्था करने, अनुबंधित वाहनों की अलग-अलग दरों पर हुई नियुक्ति की जांच करवाने, नई बसों की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने, संविदा पर कार्यरत कार्मिकों की निगरानी करने तथा उनकी सेवाओं की समीक्षा करने जैसी आवश्यक मांगें शामिल की हैं। इसके अलावा, फैडरेशन ने मांग की कि चालकों की पदोन्नति प्रक्रिया को अन्य परिवहन निगमों के अनुरूप किया जाए, संविदा चालकों को उत्तर प्रदेश मॉडल के आधार पर भुगतान किया जाए, कर्मचारियों को चाइल्ड केयर लीव और पितृत्व अवकाश का लाभ दिया जाए, डीपीसी (वेतनमान निर्धारण) की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए तथा वेतन विसंगतियों को दूर किया जाए। संगठन ने राजस्थान परिवहन निगम के राज्य सरकार में समायोजन की मांग को भी प्रमुखता से उठाया और कहा कि निगम में कर्मचारियों की भारी कमी को देखते हुए नई भर्ती की प्रक्रिया तेज की जानी चाहिए। फैडरेशन ने सरकार और निगम प्रबंधन को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्यवाही नहीं की गई तो राज्यभर में आंदोलन को तेज किया जाएगा।

युवक ने लोगों पर बरसाए ईंट-पत्थर, गाड़ियों के कांच फोड़े

जनमार्ग न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में एक युवक ने पुलिस की नाक में दम कर दिया। उसने मकान की छत पर चढ़कर राहगीरों पर जमकर पत्थर बरसाये। जब पुलिस उसे पकड़ने पहुंची तो वो हाईटेंशन लाइन के ऊपर कूद गया। इससे वो बुरी तरह झुलस गया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मामला दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र के इंदिरा मार्केट का है। यहां मंगलवार की दोपहर एक युवक चार मंजिला मकान में घुस गया। वो घर के चौथी मंजिल की छत पर चढ़कर वहां से रास्ते में खड़ी गाड़ियों और आते जाते लोगों को पत्थर मारने लगा।

सरसों की सरकारी खरीद को लेकर सौंपा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) हनुमानगढ़ जिला कमेटी ने सोमवार को जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर जिले में सरसों की सरकारी खरीद जल्द शुरू करने की मांग की। संगठन ने सरकार से आग्रह किया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिले, इसके लिए 1 मार्च 2025 से ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया जाए और 15 मार्च से सरसों की खरीद प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। ज्ञापन में बताया गया कि हनुमानगढ़ जिले में इस बार सरसों की पैदावार काफी अच्छी हुई है। सिंचाई विभाग और कृषि विभाग द्वारा किसानों को सरसों की बुआई के लिए प्रेरित करने के कारण जिले में बड़े पैमाने पर सरसों की

खेती की गई। अब फसल पककर तैयार हो चुकी है और कुछ ही दिनों में मंडियों में पहुंचनी शुरू हो जाएगी। लेकिन अभी तक सरकारी स्तर पर सरसों की खरीद को लेकर कोई ठोस तैयारी नहीं की गई है, जिससे किसानों में चिंता का माहौल बना हुआ है। माकपा नेताओं ने बताया कि सरसों की फसल मंडियों में 15 मार्च से आना शुरू हो जाती है, जबकि सरकारी खरीद की प्रक्रिया अप्रैल के अंत या मई में शुरू की जाती है। इस दौरान गेहूं की फसल भी मंडियों में पहुंच जाती है, जिससे किसानों को भारी असुविधा होती है। इसके अलावा, सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, लेकिन बाजार में इसे 5500 रुपये प्रति क्विंटल या उससे भी कम में खरीदा जा रहा है। इस कारण किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। पार्टी ने सरकार से मांग की कि सरसों की सरकारी खरीद 15 मार्च से प्रारंभ की जाए।

ग्वालियर के शिवाय अपहरण कांड में बडा खुलासा

दो नए आरोपियों के नाम आए सामने, विशाखापत्तनम भागा एक आरोपी

स्कूलों ने सख्त किए नियम

ग्वालियर (जनमार्ग न्यूज)। ग्वालियर के चर्चित शिवाय अपहरण कांड में कई चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। अपहरण कांड में दो नए नाम सामने आए हैं। यह भी कारोबारी और उसके साले के परिवार के करीबी हैं। अब तक अपहरण कांड में चार की जगह छह आरोपी सामने आ चुके हैं। शक्कर कारोबारी 6 साल के बेटे शिवाय के अपहरणकांड की जांच में जुटी ग्वालियर पुलिस की स्पेशल टीमों के हाथ बड़ी सफलता लगी है। मामले में दो और अपहरणकर्ताओं की भूमिका सामने आई है। जिन दो नामों का खुलासा हुआ है, वह पर्दे के पीछे से काम कर रहे थे। पुलिस टीम ने उनकी पहचान कर ली है। अपहरणकर्ताओं की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें ताबड़तोड़ दबिश दे रही हैं। सूत्रों के अनुसार जो दो नए नाम सामने आए हैं वह भी परिवार के करीबी हैं। इनमें से एक आरोपी दूसरे राज्य में है। क्राइम ब्रांच की टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि शिवाय का अपहरण करने वाले लगातार उसके घर पर निगरानी रखे हुए थे। अपहरण की घटना 13 फरवरी की सुबह उस समय हुई थी जब शिवाय की मां उसे स्कूल बस तक छोड़ने जा रही थी। असल में यह पहला प्रयास नहीं था। अपहरणकर्ता इससे तीन दिन पहले सोमवार (10 फरवरी) को भी पूरी फिल्डिंग लगा चुके थे। बदमाश शिवाय के घर के आसपास ही घात लगाकर बैठे थे, लेकिन शिवाय बीमार था और डॉक्टर ने दो से तीन दिन स्कूल न भेजने की सलाह दी थी। यही कारण है कि वह स्कूल जाना तो छोड़ो पूरे दिन घर से बाहर भी नहीं निकला था।

खत्री पंजाबी कम्युनिटी ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा की जयंती मनाई

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी राजस्थान द्वारा प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल के नेतृत्व में भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के अप्रतिम क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। एच ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों ने उनके चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल ने उनकी जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय स्वतंत्रता की चिंगारी को अग्नि में बदलने का श्रेय महान शहीद मदन लाल धींगरा को ही जाता है। उनका जन्म 18 फरवरी, 1883 को पंजाब प्रान्त के एक सम्पन्न हिन्दू परिवार में हुआ था। उनके पिता दित्तामल जी सिविल सर्जन थे तथा माताजी अत्यन्त धार्मिक एवं भारतीय संस्कारों से परिपूर्ण महिला थीं। उनका परिवार अंग्रेजों का विश्वासपात्र था और जब मदनलाल को भारतीय स्वतंत्रता सम्बन्धी क्रांति के आरोप में लाहौर के एक कॉलेज से निकाल दिया गया तो परिवार ने मदनलाल से नाता तोड़ लिया। इस पर मदनलाल ढींगरा को जीवनयापन के लिये पहले एक क्लर्क के रूप में, फिर एक तांगा-चालक के रूप में और अंत में एक कारखाने में श्रमिक के रूप में काम करना पड़ा। कारखाने में श्रमिकों की

दशा सुधारने हेतु उन्होंने यूनियन बनाने की कोशिश की किन्तु वहाँ से भी उन्हें निकाल दिया गया। कुछ दिन उन्होंने मुम्बई में काम किया, फिर अपनी बड़े भाई की सलाह पर सन् 1906 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने इंग्लैंड चले गए, जहाँ उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लन्दन में यांत्रिकी अभियांत्रिकी में प्रवेश ले लिया। विदेश में रहकर अध्ययन करने के लिये उन्हें उनके बड़े भाई ने तो सहायता दी ही, इंग्लैण्ड में रह रहे कुछ राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं से भी आर्थिक मदद मिली थी।

श्री बहल ने कहा कि लंदन में धींगड़ा भारत के प्रख्यात राष्ट्रवादी विनायक दामोदर सावरकर एवं श्यामजी कृष्ण वर्मा के सम्पर्क में आये। वे लोग धींगड़ा की प्रचण्ड देशभक्ति से बहुत प्रभावित हुए। ऐसा विश्वास किया जाता है कि सावरकर ने ही मदनलाल को अभिनव भारत नामक क्रान्तिकारी संस्था का सदस्य बनाया और हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया। मदनलाल धींगड़ा इण्डिया हाउस में रहते थे, जो उन दिनों भारतीय विद्यार्थियों के राजनीतिक क्रियाकलापों का केंद्र हुआ करता था। ये लोग उस समय खुदीराम बोस, कन्हाई लाल दत्त, सतिंदर पाल और काशीराम जैसे क्रांतिकारियों को मृत्युदण्ड दिये जाने से बहुत क्रोधित थे। इन्ही घटनाओं ने सावरकर और धींगड़ा को सीधे बदला लेने के लिये विवश किया। 1 जुलाई, 1909 की शाम को इण्डियन नेशनल एसोसिएशन के वार्षिकोत्सव में भाग लेने के लिए भारी संख्या में भारतीय और अंग्रेज इकठे हुए। जैसे ही भारत सचिव के राजनीतिक सलाहकार सर विलियम हट कर्जन वायली अपनी पत्नी के साथ हाल में घुसे, ढींगरा ने उनके चेहरे पर पाँच गोलियाँ दागी; इसमें से चार सही निशाने पर लगीं। उसके बाद मदनलाल ढींगरा ने अपनी पिस्तौल से स्वयं को भी गोली मारनी चाही, किन्तु उन्हें पकड़ लिया गया। 23 जुलाई, 1909 को इस मामले की सुनवाई पुराने बेली कोर्ट में हुई। अदालत ने उन्हें मृत्युदण्ड का आदेश दिया और 17 अगस्त, 1909 को लंदन की पेंटविले जेल में फांसी पर लटका कर उनकी जीवन लीला समाप्त कर दी। महान क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा मर कर भी अमर हो गये। मदनलाल ढींगरा का अजमेर में स्मारक बना हुआ है तथा उनकी स्मृति में भारत सरकार द्वारा 1992 में डाक टिकट भी जारी किया गया है।

इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सूर्यवंशी सिमरजीत सिंह मरवाहा, जिला प्रवक्ता सूर्यवंशी तेजवीर सिंह सोई, सूर्यवंशी सन्नी जसूजा, सूर्यवंशी अमित नरूला, सूर्यवंशी अरुण बहल, सूर्यवंशी मदनलाल, सूर्यवंशी यशपाल, सूर्यवंशी आकाश सहित ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

6 साल के बच्चे पर कुत्तों का हमला

जनमार्ग न्यूज

रायपुर। रायपुर में आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। शहर के दलदल सिवनी के आर्मी चौक में 6 साल के बच्चे पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे बच्चा बूरी तरह जख्मी है और उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। बच्चे ही हालत नाजुक बताई जा रही है। आवारा कुत्तों ने इस तरह बेरहमी से नोचा कि बच्चे के शरीर में 100 से अधिक जगहों पर चोट के निशान है। वही बच्चे के सिर का मांस भी उखड़ गया है। इस घटना के बाद से बच्चा और उनका परिवार सदमें है। जानकारी के मुताबिक, 13 फरवरी की शाम आर्मी चौक के पास बच्चे खेल रहे थे। तभी कुत्तों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया। सभी बच्चे कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला करते देख भागने लगे। उसी दौरान घर के बाहर साइकिल चला रहा 6 साल का बच्चा वासु कश्यप सड़क में गिर गया। कुत्तों के झुंड बच्चों को नोचने लगे।

डीसीओ श्वेता छाबड़ा के स्थानांतरण पर जिला केमिस्ट एसोसिएशन ने दी विदाई

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी (डीसीओ) श्वेता छाबड़ा के श्रीगंगानगर स्थानांतरण के अवसर पर जिला केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह होटल में एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रमेश चोपड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान जिले के केमिस्ट समुदाय ने श्वेता छाबड़ा के बेहतरीन कार्यकाल की सराहना की और उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर जिला महासचिव महेंद्र कासनिया ने कहा कि डीसीओ श्वेता छाबड़ा का कार्यकाल अत्यंत शानदार रहा। उन्होंने एसोसिएशन के साथ बेहतरीन तालमेल बनाकर कार्य किया और केमिस्टों को एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस) एक्ट की बारीकियों से अवगत कराया। इसी कारण वे जिले के केमिस्टों में बेहद लोकप्रिय रहीं। उनकी कार्यशैली और समर्पण को जिले के केमिस्ट लंबे समय तक याद रखेंगे। उल्लेखनीय है कि श्वेता छाबड़ा को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए दो बार राज्य स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। डीसीओ डलेश्वरी ने भी उनकी सराहना करते हुए कहा कि श्वेता छाबड़ा अपने स्टाफ के साथ अत्यंत समर्पण भाव से कार्य करती थीं। जब भी किसी को किसी समस्या का सामना करना पड़ता, वे हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहती थीं। इस दौरान डीसीओ पंकज जोशी, चंद्रकांत शर्मा और सांवरमल ने भी उनके कार्यों की प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डीसीओ श्वेता छाबड़ा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ÷मुझे पता ही नहीं चला कि हनुमानगढ़ जिले में मेरा चार साल का कार्यकाल कब बीत गया। इस दौरान केमिस्ट समुदाय ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत बिना बिल के दवा क्रय-विक्रय न करने में पूरा सहयोग दिया। जिला केमिस्ट एसोसिएशन ने भी हमेशा नैतिकता और नियमों का पालन किया तथा गलत लोगों का समर्थन नहीं किया, इसके लिए मैं सदैव एसोसिएशन के पदाधिकारियों की आभारी रहूंगी।÷ विदाई समारोह में जिला केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव महेंद्र कासनिया, कोषाध्यक्ष हरपाल राय गर्ग, अजय बंसल, मदन बेनीवाल, पवन सिंगला, पहलाद हिसारिया, पप्पू गोयल, कमल बंसल, अनिल अग्रवाल सहित कई प्रमुख केमिस्ट मौजूद रहे। सभी ने श्वेता छाबड़ा को उनके नए कार्यस्थल के लिए शुभकामनाएं दीं और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया।

फाल्गुन मेल को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर

- प्रतिदिन सैकड़ो श्रद्धालु कर रहे हैं बाबा के दर्शन
- प्रतिदिन अर्पित हो रही है बाबा श्याम को ध्वजाएं

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सिद्ध धाम श्रीखाटू श्याम धाम मंदिर सुदामानगर मे फाल्गुन प्रारंभ होते ही श्रद्धालुओं का मेला सा लग गया है । मंदिर के मुख्य सेवादार संदीप शेरेवाला ने बताया कि फाल्गुन के प्रथम दिन से ही लगातार सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु बाबा श्याम के दरबार में दर्शन को आ रहे हैं। शेरेवाला के अनुसार प्रातः काल से ही श्रद्धालुओं का मेला मंदिर प्रांगण में लग जाता है । आगामी 6 मार्च से 11 मार्च तक श्रीश्याम जी सतरंगी फाल्गुन मेले का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया जा रहा है। जिसकी तैयारियां जो जोर-शोर से चल रही है। इस मेले के निमंत्रण पत्र का विमोचन भी अति शीघ्र मंदिर प्रांगण में श्याम श्रद्धालुओं द्वारा किया जाएगा। मंदिर प्रांगण से जुड़े श्याम भजन प्रवाहक घर घर जाकर भजन संकीर्तन कर रहे हैं। बाबा श्याम की ज्योत घर-घर जला रहे हैं । प्रत्येक श्रद्धालु इस मेले में अपनी सेवाएं देने को आतुर है । मंदिर के पास बनी राधे की हवेली का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इस मेले में लगातार 6 दिन लंगर प्रसाद की व्यवस्था राधे की हवेली में रहेगी । श्रद्धालु रंग गुलाल खेलते हुए रंग बिरंगी ध्वजाएं लिए मंदिर प्रांगण में पहुंच रहे हैं।

विभिन्न मांगों के समाधान के लिए 'सियाराम' करेगा विधानसभा का घेराव

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम जिला शाखा श्रीगंगानगर के पदाधिकारियों ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु आज बैठक कर 24 फरवरी को विधानसभा के घेराव करने पर चर्चा की तथा शिक्षा मंत्री के नाम अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक श्रीगंगानगर को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश संगठन मंत्री प्रवीण गौड़ ने बताया कि बैठक में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु प्रदेश संगठन के आह्वान पर 24 फरवरी को जयपुर में विधानसभा का घेराव किए जाने की तैयारी पर चर्चा की गई तथा संगठन के सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया गया। जिला प्रवक्ता भूपेंद्र कुमार स्वामी ने बताया कि शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन भी सौंपा गया। जिसमें डीपीसी पदस्थापन में सभी रिक्त पदों को दर्शाते हुए यथाशीघ्र पदस्थापन किये जाने, नव क्रमोंनत्त विद्यालयों में सभी विषयों के पद स्वीकृत कर पदस्थापन देने, विशेष शिक्षक तृतीय श्रेणी व द्वितीय श्रेणी की डीपीसी अति शीघ्र करने, सभी संवर्ग के शिक्षकों कर्मचारियों को केंद्र के समान हू-ब-हू वेतनमान देने, 2008 में

नियुक्त शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने, शिक्षकों के स्थानांतरण की स्थाई व पारदर्शी नीति बनाने और तुरंत लागू करने तथा तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण करने और विद्यालयों में एमडीएम (मिड डे मील) के गेहूं-चावल की सप्लाई लंबे समय से नहीं हो रही है, सप्लाई को यथाशीघ्र करने, जिला/ब्लॉक मुख्यालय द्वारा शाला दर्पण पर ऑनलाइन डाटा व सूचना उपलब्ध होने पर भी सूचना डाक द्वारा नहीं मांगे जाने सहित 25 सूत्री मांग पत्र प्रेषित किया गया। ज्ञापन देने वालों में कार्यकारी अध्यक्ष गुरीराम, जिलाध्यक्ष हरीश खत्री, जिला मंत्री मलकीत सिंह, जिला कोषाध्यक्ष नरेश विनोचा, जिला प्रवक्ता भूपेंद्र कुमार स्वामी, हरीश कटारिया, राकेश बवेजा प्रवेश वर्मा, अमित कोचर आदि अनेक शिक्षक व पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

कुशल सैन्य संचालक, महान देशभक्त, अपराजेय योद्धा थे छत्रपति शिवाजी

19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी की जयंती पर विशेष

शिवाजी अपने समय के अपराजेय यौद्धा थे, वे एक आदर्श मातृभक्त, कुशल सैन्य संचालक एवं शासक, अद्वितीय वीर, राज्य निर्माता, महान महापुरूष, क्रांतिकारी तथा महान देशभक्त के रूप में जाने जाते हैं। शिवाजी का जन्म उन परिस्थितियों में हुआ, जब चारों ओर यवन शासकों के अत्याचारों से हिन्दु सभ्यता, संस्कृति व धर्म पर संकट के बादल छाये हुये थे तथा चारों और युद्ध, ध्वंस, विनाश, रक्तपात, अस्थिरता व पतन की घटनायें हो रही थीं। पूरे देश में अराजकतापूर्ण व मनमानी का माहौल बना हुआ था। ऐसे ही माहौल में धर्मपरायण महिला जीजा बाई के घर शिवाजी का जन्म हुआ। माँ जीजा बाई ने बाल्यकाल से ही शिवाजी को रामायण व महाभारत की कथाएं सुनाकर, उनमें आदर्श तथा नैतिक सदाचार के गुण विकसित किये। धार्मिक कथाओं से शिवाजी ने प्राचीन ज्ञान, धर्म नीति, राजनीति, रणकला तथा शासन पद्धति का ज्ञान प्राप्त किया। शिवाजी बाल्यकाल से ही अपना कार्य स्वयं करते थे। उनमें बचपन से ही स्वाधीनता की लौ प्रज्जवलित हो गई थी तथा जैसे-जैसे बड़े हुये, विदेशी शासन से देश को मुक्त कराने का संकल्प लिया। उनके दृढ़ चरित्र निर्माण में माता जीजा बाई तथा दादा कोण्डदेव (कोणदेव) ने महान् योगदान दिया। दादा कोण्डदेव बड़े दूरदर्शी तथा देशभक्त थे। उन्होंने शिवाजी में नेतृत्व क्षमता का विकास किया तथा तलवार चलाना व घुड़सवारी में निपुणता दिलाई। देश के इतिहास, भूगोल तथा राजनैतिक दशा की स्थिति को भी शिवाजी को समझाया तथा यह कहा कि उन्हें भारत के इतिहास पर लगे दासता की बेडियों का कलंक धोना है। दादा कोण्डदेव की शिक्षा का फल यह हुआ कि मात्र 14 वर्ष की आयु में ही शिवाजी तन, मन, बुद्धि व आत्मा से स्वस्थ, साहसी तथा तेजस्वी थे। शिवाजी पिताजी शाह जी की जागीर के माध्यम से राज्य प्रबन्ध, संचालन, शासन तथा प्रशासन की व्यवहारिक शिक्षा के साथ-साथ स्वयं सारी राज्य व्यवस्था चला सकते थे। वे जागीर की आर्थिक, सामाजिक दशा का पता लगाते तथा सुधार व विकास की योजनायें भी बनाते थे। वे अपराधियों, अन्यायियों तथा आंतकवादियों को समझाकर उन्हें सुधरने का अवसर भी देते थे।

शिवाजी में आलस्य लेशमात्र भी नहीं था। उत्साह, तत्परता, स्फुर्ति, श्रमशीलता जैसे गुणों का भण्डार था। नियम, संयम, नियमित उपासना करना उनका नित्य कर्म था। वे व्यवहार कुशलता, वाकपटुता में निपुण थे तथा साथियों के साथ उपयुक्त व्यवहार करते थे। इन्हीं गुणों के कारण जागीर के सारे तरुण, नवयुवक व किशोर उनके अनुयाई बन गये थे तथा उन्हें अपना नेता मानते थे। शिवाजी ने कई जगह स्वयंसेवक दल के संगठन बनाये तथा धर्म व राष्ट्र भावना का प्रचार किया। उन्होंने धर्मग्रंथों के पठन-पाठन की रूचि पैदा की तथा गीता, रामायण, महाभारत व इतिहास की गोष्ठियां बनाकर पाठ प्रारम्भ करवाया तथा प्रचारक तथा प्रवक्ता तैयार कर दूर-दूर तक भेजे, जो प्रसुप्त हिन्दु जाति को जगाने का काम करते थे। उन्होंने चुने हुये साथियों की सैना बनाकर युद्ध व्युह एवं संचालन का व्यवहारिक अभ्यास कर लिया तथा उन्होंने जागीर की सारी जनता में संगठन व सैनिक भावना का जागरण कर दिया। शिवाजी में देश प्रेम कूट-कूटकर भरा हुआ था तथा वे स्वराज के सच्चे हितैषी व शुभचिंतक थे। उनके व्यवहार, अनुशासन, विनम्रता तथा आचरण से बीजापुर के दरबार में शिवाजी के व्यक्तित्व की चर्चा होती रहती थी। जब बीजापुर के सुल्तान ने शाहजी से शिवाजी से मिलने की इच्छा जाहिर की, तो शिवाजी ने अपने पिता शाहजी से स्पष्ट कहा कि बादशाह विधर्मी तथा अत्याचारी है, वह हिन्दुओं और हिन्दु धर्म का दुश्मन है। मन्दिर तुड़वाता है तथा हिन्दुओं को जबरदस्ती मुस्लमान बनाता है, गौ वध करवाता है। मैं बादशाह को कोरनिश करना तो दूर, उसकी सूरत भी देखना नहीं चाहता। यह शिवाजी की निर्भिकता, स्वाभिमान तथा अनुचित आज्ञा को न मानने को दर्शाता है। शिवाजी कहते थे कि 33 करोड़ हिन्दुओ के बीच मुट्ठीभर यवन सिंह की तरह शासन करें, यह लज्जापूर्ण बात है। इसका कारण हिन्दुओं में आपसी फूट, स्वार्थ तथा कायरता है, जिसके कारण हिन्दु यवन बादशाह को सलाम करते हैं। चूंकि वे स्वतंत्रता प्रेमी थे तथा पिता की तरह किसी सुलतान की जागीरदारी करना नहीं स्वीकारा था। उनका उद्देश्य था स्वतंत्र राज्य स्थापित करना तथा हिन्दु धर्म की रक्षा करना। शिवाजी ने कई बार युद्ध किये तथा सभी युद्धों में उनकी समयानुकुल कार्यप्रणाली तथा परिस्थिति के अनुसार चलने का गुण तथा छापामार युद्ध नीति के कारण शिवाजी ने मुट्ठीभर सैनिकों के साथ बड़ी-बड़ी मुगल सैनाओं को धाराशाही किया था तथा सभी युद्धों में शौर्य की पताका लहराई थी।

सन् 1646 में बीजापुर राज्य की व्यवस्था बिगड़ जाने पर शिवाजी ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया तथा अपने मावलों सरदारों की सहायता से तोरण नाम किले के रक्षक को भुलावा देकर इस दुर्ग पर अपना अधिकार कर लिया तथा एक नया किला बनवाया, जिसका नाम राजगढ़ रखा। तत्पश्चात् शिवाजी ने बीजापुर राज्य की बहुत सी जमीन पर कब्जा जमाकर राज्य का क्षेत्र बढ़ाया तथा कोंडना (कोन्ढाणा) किले पर अधिकार जमाकर, उसका नाम सिंहगढ़ रख दिया। इसी प्रकार 1658 में जब दिल्ली के सिंहासन के लिये मुगल शहजादों में घमासान युद्ध छिड़ा तो शिवाजी ने स्थिति का लाभ उठाकर कई राज्य अपने कब्जे में कर लिये तथा कल्याण की खाड़ी में जहाज बनाये और अपनी जल सेना की नींव रखी। शिवाजी के सम्पूर्ण जीवन में वीरता की अद्भुत घटनाओं का परिचय मिलता है। अफजल खाँ का युद्ध भी उस घटना में एक है तथा उनके द्वारा की गई सिंहगढ़ की लड़ाई भी बहुत प्रसिद्ध है।

शिवाजी के हृदय में धर्म व गुरू के प्रति अपार श्रद्धा थी। वे परम गुरूभक्त व सच्चे कर्मयोगी थे। उन्होंने अपने गुरू रामदास को अपना राज्य सौंपकर, केवल उनके प्रतिनिधि व सेवक बनना स्वीकार किया। वे सभी धर्मों का आदर करते थे तथा मुसलमान संतों व फकीरों का भी सम्मान करते थे। वे कुरान का भी आदर करते थे। उनका धर्म मानव धर्म था। उन्होंने हिन्दू मूल्यों तथा शिक्षा पर बल दिया। वे अपने अभियानों का प्रारम्भ अक्सर दशहरा के मौके पर करते थे। वे एक अच्छे सेनानायक तथा अच्छे कूटनीतिज्ञ थे। जहां सीधे युद्ध लड़ नहीं पाते थे, वहां शत्रु की आँख में धूल झोंककर भाग जाते थे। उनके शासनकाल में कभी भी आंतरिक विद्रोह नहीं हुआ। 6 जून, 1674 में शिवाजी का राज्याभिषेक हिन्दू रीति से हुआ। उन्होंने छत्र धारण किया और छत्रपति कहलाये। 1680 में उनकी मृत्यु हुई। अपने जीते जी उन्होंने मुगल शासकों से अपना लोहा मनवाया। ऐसे निष्काम भावना रखने वाले मातृभूमि के लिये समर्पित कुशल प्रशासक, यौद्धा एवं हिन्दु धर्म के प्रति प्रेम के लिये भारत के अमर सपूत शिवाजी को युगों-युगों तक याद किया जायेगा।

संकलनकर्ताः
मनीराम सेतिया
सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य
109 एल ब्लॉक, श्रीगंगानगर
मो. 98871-22040

हेल्थी हार्ट एंड युथ का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। बी आर हार्ट हॉस्पिटल हनुमानगढ़ जक्शन के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश बाजिया द्वारा 18 फरवरी 2025 मंगलवार, सुबह 10.30 से 11.30 बजे तक हेल्थी हार्ट एंड युथ का आयोजन व्यापार मण्डल शिक्षा समिति हनुमानगढ़ टाउन में किया गया। डॉ. सुरेश बाजिया द्वारा इस सेशन में व्यापार मण्डल गर्ल्स कॉलेज, व्यापार मण्डल गर्ल्स स्कूव व वी.एम. पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं व अध्यापकों को हार्ट से सबंधित सभी रोगों के बारे में कोरोना के बाद हो रहे गंभीर बदलावों व उनसे बचाव, खानपान में बदलाव, अच्छी आदतों को अपनाना, योग, साईक्लिंग आदि के लाभ व नशें से दूर रहना आदि के बारे विस्तार पूर्वक बताया। मंच सचालन डॉ. ज्योति यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर वी.एम. गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. नीलम गौड़, वी.एम. गर्ल्स स्कूल प्रिसिपल श्रीमती संजू गाड़िया, वी.एम. पब्लिक स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती किरण राठौड़ व श्री अमित उपस्थित रहे व डॉ. सुरेश बाजिया को सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया।

गंगकैनाल की सीसी रिलाईनिंग के लिये 300 करोड़ रूपये की सौगात

● मिर्जेवाला में खुलेगा सैनिक स्कूल ● विधायक गुरवीरसिंह बराड़ ने जताया मुख्यमंत्री व वित्तमंत्री का आभार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। राजस्थान में आमजन के कल्याण के लिये कार्य कर रही भजनलाल सरकार ने बुधवार को प्रस्तुत बजट में राजस्थान की जनता पर दिल खोलकर विकास, रोजगार सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के तोहफों की बरसात की है। राजस्थान के युवाओं के लिये नौकरियों की घोषणा ऐतिहासिक है। सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़ ने बजट में गंगकैनाल की सीसी रिलाईनिंग (आरडी-45 बालेवाला हैड से आरडी-368 खखां हैड) के लिये 300 करोड़ रूपये देने और सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र के गांव मिर्जेवाला में सैनिक स्कूल खोले जाने सहित अनेक सौगातें

देने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और माननीया वित्त मंत्री श्रीमती दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया है। विधायक बराड़ ने बताया कि वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट में जो घोषणाएं प्रदेशवासियों के लिये की गई है, उसका लाभ समाज के सभी वर्गों को मिलेगा। युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, व्यापारियों के साथ-साथ किसानों के कल्याण के लिये भी किसान हितैषी सरकार द्वारा अनेक घोषणाएं की गई है। उन्होंने बताया कि बजट में गंगकैनाल की सीसी रिलाईनिंग के लिये 300 करोड़ रूपये, मिर्जेवाला में सैनिक स्कूल खोले जाने, भाखड़ा सिंचाई प्रणाली की मम्मड़खेड़ा वितरिका में कार्य हेतु 40 करोड़ 86 लाख रुपए की घोषणा की गई है।

भरतपुर संभाग पर लुटा दिया प्रदेश का खजाना : मगलानी

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अंकुर मगलानी ने आज विधानसभा में राज्य सरकार की ओर से पेश किए बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के खजाने अधिकांश हिस्सा अपने भरतपुर संभाग पर लुटा दिया है। श्रीगंगानगर जिले सहित प्रदेश के बाकी हिस्सों को इस सरकार ने ठेंगा दिखाया है। भाजपा के पास बताने को कुछ भी नहीं है कि बजट में श्रीगंगानगर जिले को क्या नया दिया गया है।

बजट से सभी वर्गों का कल्याण : गणेशगढ़िया

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रतन गणेशगढ़िया ने कहा है कि प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार ने बड़ी सुझ बुझ से आज प्रस्तुत बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा है। किसान, मजदूर, व्यापारी, युवा, महिला, बेरोजगारों आदि सबका कल्याण होगा।

बजट में हर वर्ग के कल्याण की बात : मुकेश

केसरीसिंहपुर (जनमार्ग न्यूज)। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मुकेश पुरोहित ने कहा कि भजनलाल सरकार का बजट आमजन के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बजट में किसानों, महिलाओं और युवाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे राज्य समृद्ध और खुशहाल बनेगा। सरकार की यह पहल हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भाजपा सरकार ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए संतुलित और प्रगतिशील बजट पेश किया है। भारतीय जनता पार्टी अनुसुचित जाति मोर्चा के जिला महामन्त्री सोहन छिनवाल ने कहा की आज प्रस्तुत राज्य बजट आमजन के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बजट में किसानों, महिलाओं दलीत वर्ग और युवाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे राज्य समृद्ध और खुशहाल बनेगा।

खुशहाल राजस्थान का बजट : स्वामी

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। बुधवार को घोषित हुए राजस्थान बजट पर भाजपा नेता रजत स्वामी एडवोकेट ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि 150 यूनिट फ्री बिजली की घोषणा से मध्यम वर्ग को राहत मिली है। टुरिज्म डवलपमेंट के लिए 975 करोड़ से रोजगार के नए आयाम स्थापित होंगे। वही प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में 10-10 करोड़ की लागत से नॉन पेचबेल सड़कों के विकास कार्य करवाए जाएंगे। बजट में ग्रामीण क्षेत्रो का ध्यान रखते हुए 5 हजार से अधिक ग्रामीण कस्बों में सीमेंट कंक्रीट से अटल प्रगति पथ से ग्रामीण क्षेत्र में भी विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

बजट में एनर्जी व डेवलपमेंट पर जोर : एडवोकेट आकाश मेहरा

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। एडवोकेट आकाश मेहरा ने राजस्थान बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजस्थान बजट 2025 में राज्य सरकार द्वारा रिन्यूएबल एनर्जी, रूरल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर ज्यादा ध्यान दिया गया है परंतु इसका फायदा तभी है जब यह योजनाएं कागजों से उठकर धरातल पर आए। एडवोकेट मेहरा ने कहा कि 150 यूनिट फ्री बिजली देने से आम जनता को काफी राहत मिलेगी

टांटिया यूनिवर्सिटी के वेटरनरी कॉलेज में मनाया शिवाजी जन्मोत्सव

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। टांटिया यूनिवर्सिटी के श्रीगंगानगर वेटरनरी कॉलेज एंड हॉस्पिटल में बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयन्ती 'शिव जन्मोत्सव' के रूप में मनाया गया। यूनिवर्सिटी के मोन्यूमेंट पार्क में हुए आयोजन में वेटरनरी कॉलेज के व्याख्याताओं और विद्यार्थियों की भागीदारी रही। मुख्य अतिथि वेटरनरी कॉलेज के डीन डॉ. आरपीएस बघेल थे। डॉ. बघेल ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने वीरतापूर्ण तरीके से अपने दुश्मनों से युद्ध लड़े। उन्होंने भारत के हित को ध्यान में रखकर फैसले लिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में वीर शिवाजी, राजस्थान में महाराणा प्रताप और मध्य भारत में झांसी की रानी लक्ष्मी

बाई जैसे कई वीरों की वीरगाथा से इतिहास भरा हुआ है। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के डॉ. एमएल शर्मा, वेटरनरी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गोपाल अग्रवाल, डॉ. महेंद्र, डॉ. गगन, डॉ. अभिषेक, डॉ. मखमूर भट्ट, डॉ. अरविंद्र, डॉ. ममता, डॉ. अजय और डॉ. कृतिका वर्मा, डॉ के.के अरोड़ा सहित कई लोग मौजूद थे। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। इसके बाद कॉलेज के विद्यार्थियों और व्याख्याताओं ने डीन डॉ.बघेल के नेतृत्व में वाइस चेयरमैन डॉ. मोहित टांटिया से मुलाकात की। उन्हें शिवाजी जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें 13 यूनिट रक्तदान किया गया।

मंजीत लखीना का निधन, अंतिम संस्कार आज

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। तहसील कार्यालय से सेवानिवृत्त मंजीत सिंह लखीना का स्वर्गवास 19 फरवरी हो गया। स्व. लखीना की अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान 167 गांधी नगर से रवाना होकर पदमपुर रोड स्थित कल्याण भूमि के लिए रवाना होगी।

बुजुर्ग ने सल्फास की गोलियां खाकर की आत्महत्या

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। सदर थाना अंतर्गत चक 7-जैड में अकेले रहने वाले एक बुजुर्ग व्यक्ति ने सल्फास की गोलियां खाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जांच कर रहे हवलदार सत्यनारायण कूकणा ने बताया कि 65 वर्षीय प्रभुदयाल छाबड़ा को कल देर शाम उसका भाई अस्पताल में लेकर आया। उसकी कुछ ही देर बाद मृत्यु हो गई। उसके भाई द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर मर्ग दर्ज की गई है। आज पोस्टमार्टम करवाने के बाद लाश परिवार वालों के सुपुर्द कर दी। जांच अधिकारी ने बताया कि मृतक प्रभुदयाल की पत्नी का लगभग 15 वर्ष पहले देहांत हो गया था।

इनामी आरोपी सहित तीन गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले में पदमपुर थाना इलाके में पुलिस ने 30 हजार रुपए के इनामी एक मुलाजिम सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। तीनों के कब्जे से 20 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ है जबकि पोस्त तस्करी में इस्तेमाल की जा रही गाड़ी भी जब्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि पदमपुर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र राणा के नेतृत्व में एक टीम ने कल रात कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 20 किलो डोडा पोस्त बरामद किया। तीनों एक महिंद्र एसयूवी गाड़ी में अवैध रूप से पोस्त लेकर जा रहे थे। तीनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शामिल केवलसिंह निवासी खारा चक पर बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक द्वारा 30 हजार रुपए का इनाम घोषित है। उसे पर बीकानेर जिले के छतरगढ़ थाना में पूर्व में तीन मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें वह वंचित है।

सरकारी स्कूल का प्रधानाचार्य इंदिरा नहर पर सामान छोड़कर गायब

जनमार्ग न्यूज।

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले के नोहर शहर में ढाका कालोनी निवासी और सरदारपुरा वास के सरकारी उच्च प्राथमिकविद्यालय के प्रधानाचार्य के लापता होने से उसके परिवार जनों के साथ शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।लापता हुए प्रधानाचार्य महेंद्र जोइया का मोटरसाइकिल,कपड़े, चश्मा आदि सामान रावतसर थाना क्षेत्र में इंदिरा गांधी नहर की आरडी 84 पर पड़ा मिला है। उसके द्वारा लिखे हुए दो पत्र सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं,जिनमें स्कूल की दो अध्यापिकाओं से परेशान होना लिखा है। वही शिक्षा विभाग के ऑफिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। प्रधानाचार्य महेंद्र जोइया के नहर में कूदने की आशंका को देखते हुए प्रशासन द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन दल (एसडीआरएफ) की टीम को इंदिरा गांधी नहर में उतर गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्र जोइया कल मंगलवार को रोजाना की तरह सरदारपुरा वास में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ड्यूटी के लिए गए थे। वहां से वह दोपहर करीब 11 बजे मोटरसाइकिल लेकर गायब हो गये। उसके घर नहीं आने पर परिवार वाले तलाश करने लगे। इसी बीच कुछ लोगों को रावतसर थाना इलाके में इंदिरा नहर की आरडी 84 पर कुछ सामान संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां मिला सामान लापता हुए प्रधानाचार्य महेंद्र जोइया का निकाला।

सवा किलो अफीम सप्लाई के दो आरोपी गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीकरणपुर पुलिस ने अवैध रूप से अफीम सप्लाई करने के आरोप में दो युवकों को हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी सीआई रामप्रताप वर्मा ने बताया कि चरणजीतसिंह उर्फ चन्ना कंबोज सिख(43) निवासी चक 31-एच हाल वार्ड नंबर 24 देवता कालोनी, श्रीकरणपुर और जसवीरसिंह उर्फ जस्सा मजहबी सिख (35) निवासी वार्ड नंबर 01 रडेवाला श्रीकरनपुर को गिरफ्तार किया गया है।विगत जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में पुलिस ने रोहित दत्त उर्फ विक्की पंडित को 1 किलो 190 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया गया था। उसकी फार्च्यूनर गाड़ी को तस्करी के लिए इस्तेमाल करने के कारण जब्त किया गया था।पूछताछ करने पर उसने रोहित ने चरणजीतसिंह और जसवीरसिंह द्वारा उसे अफीम बेचना बताया। तब से अफीम सप्लाई करने के उक्त दोनों आरोपी फरार चल रहे थे और पुलिस इनकी तलाश में थी। दोनों कल पकड़ में आ गये। दोनों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

अधिकारियों ने किया फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत शिविरों का निरीक्षण

● फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत शिविर जारी

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। कृषि विभाग भारत सरकार द्वारा संचालित एग्रीस्टैक योजनांतर्गत फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत शिविरों का आयोजन जिले में किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. मंजू के निर्देश पर बुधवार को उपखण्ड अधिकारियों के साथ-साथ ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर के निर्देश पर रायसिंहनगर, सादुलशहर, सूरतगढ़, पदमपुर, श्रीविजयनगर, श्रीकरणपुर, गंगानगर, अनूपगढ़, घडसाना क्षेत्र में जारी फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का उपखण्ड अधिकारियों ने निरीक्षण

किया। इस दौरान उपखण्ड अधिकारियों ने शिविर में हुए रजिस्ट्रेशन की जानकारी लेते हुए शिविर प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत 20 से 22 फरवरी 2025 को तहसील श्रीगंगानगर की ग्राम पंचायत मटीली, तहसील अनूपगढ़ की ग्राम पंचायत 9एमडी, तहसील घडसाना की ग्राम पंचायत 2एसटीआर, तहसील रावला की ग्राम पंचायत 8पीएसडी-बी, तहसील सूरतगढ़ की ग्राम पंचायत बख्तावरपुरा, तहसील पदमपुर की ग्राम पंचायत फरसेवाला, तहसील गजसिंहपुर की ग्राम पंचायत 14एफएफ, तहसील करणपुर की ग्राम पंचायत मोडां, तहसील सादुलशहर की ग्राम पंचायत करड़वाला, तहसील रायसिंहनगर की ग्राम पंचायत 30 पीएसए तथा तहसील विजयनगर की ग्राम पंचायत 24 जीबी में शिविर आयोजित होगा।

फिरौती नहीं देने पर युवक पर कुल्हाड़ी से घातक हमला

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले के पल्लू थाना क्षेत्र के गांव बिसरासर में फिरौती नहीं देने पर एक युवक पर सरेआम कुल्हाड़ी से हमला कर दिया गया। कुल्हाड़ी की चोट उसके नाक पर लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल हुए युवक सतपाल के पिता रामेश्वर जाट निवासी बिसरासर द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने राजू उर्फ राजाराम तथा कृष्ण मीणा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक रामेश्वरलाल ने बताया है कि उसका बेटा सतपाल परसों दोपहर 12-30 बजे घर से एक हजार रुपए लेकर किशोर नाई को उधर के वापस देने के लिए गया था। रास्ते में राजू तथा कृष्ण ने उसे रोक लिया और उससे फिरौती मांगने लगे। उसके बेटे ने कहा कि वह बहुत गरीब है और उनको वह उनको फिरौती कहां से दे। रामेश्वर लाल के अनुसार उक्त आरोपियों ने इस पर उसके बेटे से मारपीट की और उस पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। कुल्हाड़ी की चोट बेटे के नाक पर लगी, जिससे खून बहने लगा।

बाइक सवार युवकों ने एक दर्जन गाड़ियों के शीशे तोड़े

● सेतिया कॉलोनी पुलिस चौकी के समीप हुई वारदात ● सीसीटीवी फुटेज से युवकों की धरपकड़ के प्रयास

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर में कोतवाली थाना अधीन सेतिया कॉलोनी पुलिस चौकी के आसपास सेतिया कालोनी और प्रेमनगर की चार-पांच गलियों में कल देर रात को मोटरसाइकिल पर सवार तीन फितरती युवकों ने एक दर्जन गाड़ियों के शीशे ईंट पत्थर मारकर तोड़ दिए। आज सुबह लोगों को जब गाड़ियों के शीशे टूटे मिले तो उन्हें आक्रोश फैल गया। पीड़ित लोग इकट्ठा होकर सेतिया कॉलोनी चौकी में गए। चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर रामेश्वरलाल ने मौके पर जाकर गाड़ियों की हालत देखी। उन्होंने बताया कि कल रात 2 से 3 बजे के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों ने एक के बाद एक गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। सीसीटीवी फुटेज में तीन युवक मोटरसाइकिल पर दिखाई दिए हैं। इनमें एक ही युवक गाड़ियों के शीशे तोड़ते हुए दिखाई दे रहा है जबकि दो युवकों से बार-बार रोक भी रहे हैं। कुछ जगहों पर साउंड युक्त सीसीटीवी कैमरों में इन युवाओं की आवाज़ भी रिकॉर्ड हुई हैं, जिनमें पत्थर मारने वाला युवक गालियां देते हुए बोल रहा है कि वह अभी 10 गाड़ियों के और शीशे तोड़ेगा जबकि दो युवक उसे रोक रहे हैं। गाड़ियों

के शीशे टूटने से आसपास के इलाके में भय का माहौल है।चौकी प्रभारी ने बताया कि किसी भी गाड़ी में से कोई सामान चोरी नहीं हुआ। युवकों ने सिर्फ शीशे तोड़े हैं।उनमें से कोई सामान नहीं निकाला। शीशे तोड़ने वाले युवक नशेड़ी लग रहे हैं। पीड़ित कार मालिकों-राजकुमार,बाबूलाल और सुरेंद्र आदि ने अलग अलग रिपोर्ट चौकी में दी हैं। पुलिस ने अभी कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया। खास बात यह है कि कल रात कोतवाली थाना इलाके में रात्रि कालीन गश्त प्रभारी के रूप में ड्यूटी इसी पुलिस चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर रामेश्वरलाल की थी। उन्होंने बताया कि वे इन्हीं गलियों में कल रात गश्त लग रहे थे लेकिन उन्हें घटना का पता नहीं चला। उन्हें तो आज सुबह लोगों ने चौकी में आकर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर इन बदमाश युवकों की पहचान करने के प्रयास किया जा रहे हैं।इनको जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा।

दिल का दौरा पड़ने से सिपाही की मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले के मुकलावा थाना के एक सिपाही की आज से अचानक दिल का दौरा पड़ने से मिलती हो गई। पुलिस के अनुसार सिपाही जसपाल जाट(43) को आज सुबह सीने में तेज दर्द महसूस हुआ और वह अचेत हो गया।उसे तुरंत रायसिंहनगर के अस्पताल ले जाया गया।वहां डाक्टरों के भरसक प्रयास के बाद भी उसका निधन हो गया। जसपाल की पैरोकार की ड्यूटी लगी हुई थी।वह आज सुबह इसी ड्यूटी पर जा रहा था कि उसे दिल का दौरा पड़ गया।

जिला स्तरीय पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जिला स्तरीय पर्यावरण समिति व परिसंकटमय अपशिष्टों के व्यसन के चयन के लिये गठित समिति की बैठक बुधवार को कलक्ट्रेट सभाहॉल में जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने जिले में अवस्थित नम भूमि के गजट नोटिफिकेशन पर चर्चा करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्णतया प्रतिबंध पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय इस संबंध में निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। नियमित रूप से प्लास्टिक पॉलीथिन जब्ती की कार्यवाही की जाये। नगरपालिका के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मार्केटिंग व्यापारियों से बैठक कर समझाइश करें एवं आमजन को प्लास्टिक पॉलिथीन से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया जाये।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692